वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 226 | शनिवार 13 दिसम्बर 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@... पेज 2

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

महावीर पब्लिक स्कूल, में ''फ्लोरेंस 2025-26'' में आज होगा नवरस का संगम

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिनांक 13/12/25, शनिवार को महावीर पब्लिक स्कूल, सी-स्कीम, जयपुर महावीर सभा भवन में प्रातः11 से दोपहर 1:00 बजे तक प्ले ग्रुप से सेकंड क्लास के बच्चों का एनुअल फंक्शन ''फ्लोरेंस 2025-26'' मना रहा है। इसमें नन्हें-मुन्हें बच्चे जीवन के नौ रसों को अपनी बाल-सुलभ भाव-भंगिमाओं के द्वारा प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विकास प्रजापत, एसडीएम, सांगानेर, जयपुर होंगे।

51 यात्रियों ने शाश्वत तीर्थ सम्मेद शिखर जी एवं पंचतीर्थ यात्रा की

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री पारसनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, पारसनाथ कॉलोनी, निर्माण नगर, जयपुर के 51 श्रावक-श्राविकाओं ने 5 से 13 दिसंबर तक 9 दिवसीय धार्मिक यात्रा के अंतर्गत शाश्वत तीर्थ सम्मेद शिखर जी सहित पंचतीर्थ की यात्रा की। इस दौरान यात्रियों ने पालगंज ईशरी, निमीयागढ़, मंदरगिरि, देवघर, चम्पापुर, नालंदा, पावापुरी, राजगीर, कुण्डलपुर, गुणावा एवं गया स्थित सभी जैन मंदिरों में कलशाभिषेक, शांतिधारा, पूजा-अर्चना एवं आरती श्रद्धा एवं भक्ति भाव से कर धर्मलाभ प्राप्त किया। यात्रा के दौरान ''शाकाहार ही सच्चा आहार'' की भावना का प्रचार-प्रसार भी किया गया। इस धार्मिक यात्रा में जयपुर के साथ-साथ कुचामन, किशनगढ़, नावा एवं मीठड़ी के श्रावक-श्राविकाओं ने भी सहभागिता की। यात्रा की संपूर्ण व्यवस्था पदमचंद गगवाल, अंकित गोधा, किशोर सबलावत, मुकेश झाझरिया, कान्तिलाल जैन, अनिता जैन एवं सुभाष पहाड़िया के नेतृत्व में सुचारु एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न हुई। अशोक कुमार, रमेशचंद, पदमचंद, पंकज, राजेन्द्र, प्रकाश, प्रमोद एवं अजित सहित सभी यात्रियों ने सफल आयोजन के लिए आयोजकों का आभार व्यक्त किया।

आपसी स्नेह एवं वात्सल्य समय की आवश्यकता: मुनि निर्भीक सागर जी महाराज

विधान कार्यक्रम में 150 बालक बालिकाओं को संस्कारित किया

राघौगढ़, मध्य प्रदेश. शाबाश इंडिया

धर्म परायण ऐतिहासिक नगरी राघौगढ़ में चल रहे श्री सिद्ध चक्र महामंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ के छठवें दिन आचार्य गुरुवर विद्यासागर जी महाराज के शिष्य मुनि निर्भीक सागर जी महाराज ने मंगल प्रवचन करते हुए कहा वर्तमान में युवा पीढ़ी पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव में परिवार एवं रिश्तेदारियों को भूलती जा रही है। आपने कहा युवा पीढ़ी स्वच्छंद हो जाने से भारतीय प्राचीन संस्कृति एवं संस्कारों का हनन हो रहा है। मुनिराज ने कहा युवा पीढ़ी को सबसे ज्यादा पथभ्रष्ट मोबाइल एवं सोशल मीडिया कर रही है। अपने आव्हान किया कि हमें भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों की रक्षा करने के लिए युवा पीढ़ी को सद् मार्ग पर लाने के लिए प्रेरित करने की आवश्यकता है। मोबाइल के कारण छोटे-छोटे बच्चे पढ़ाई भूलकर मोबाइल में ही व्यस्त रह रहे हैं। हमें मोबाइल का सदुपयोग करना चाहिए। मोबाइल का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। आपने कहा आपसी स्नेह एवं वात्सल्य समय की आवश्यकता है। रात्री विधान महोत्सव के पांडाल में विधानाचार्य बाल ब्रह्मचारी पंडित संजीव भैया जी ने जैन समाज राघौगढ़ के 150 बच्चों को संस्कार महोत्सव के माध्यम से सुसंस्कारित किया। उन्हें संकल्प दिलाया कि प्रतिदिन जैन मंदिर के दर्शन करेंगे, पानी छानकर पियेंगे, रात्री भोजन नहीं करेंगे, माता-पिता की आज्ञा का पालन करेंगे एवं वृद्धावस्था में माता-पिता की सेवा करेंगे। विजातीय विवाह एवं प्रेम विवाह नहीं करेंगे। बालक बालिकाओं को स्वस्थ रहने के लिए व्यायाम का भी अभ्यास कराया। संस्कार महोत्सव में प्रतिभास्थली इंदौर से पधारी बाल ब्रह्मचारी नीलम दीदी ने भी बालक-बालिकाओं को पथभ्रष्ट एवं संस्कारविहीन नहीं होने के कुछ मुख्य बिंदु बताये। भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय संरक्षक एवं जैन समाज ट्रस्ट कमेटी के मार्गदर्शक मंडल के सदस्य विजय कुमार जैन ने बताया है विधान के छठवें दिन प्रातः 7:00 बजे से अभिषेक शांति धारा एवं समुच्चय पूजन हुई तत्पश्चात पंच परमेष्ठी भगवान को सिद्ध चक्र मंडल विधान के माध्यम से 524 वर्घ भक्ति भाव से अर्पित किए गए। दोपहर 2:30 बजे से बाल ब्रह्मचारी संजीव भैया जी के निर्देशन में सामूहिक श्री शांतिनाथ विधान का आयोजन हुआ। शाम 5:15 बजे मुनि संघ के सानिध्य में आचार्य भक्ति हुई रात्री 7:30 बजे सामूहिक आरती हुई। रात्री 8:00 बजे संजीव भैया जी के मंगल प्रवचन हुए। विजय कुमार जैन ने जारी विज्ञप्ति में दिनांक 13 दिसंबर के कार्यक्रमों का विस्तार से उल्लेख किया है आपने बताया है प्राप्त 6:30 बजे से अभिषेक शांति धारा नित्य नियम पूजन तत्पश्चात श्री सिद्ध चक्र मंडल विधान की पूजा एवं सिद्ध भगवानों

को 1024 अर्घ्य भक्ति भाव से अर्पित किए जाएंगे। दोपहर 2:30 बजे से निर्यापक मुनि योग सागर जी महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में नगर पालिका राघौगढ़ विजयपुर द्वारा घोषित नगर गौरव मुनि निर्लेप सागर मार्ग की लोकार्पण पट्टिका का अनावरण पूर्व मंत्री एवं राघौगढ़ विधायक जयवर्धन सिंह करेंगे।

25 दिसम्बर से नैनागिरि में 21 दिवसीय राष्ट्रीय प्राकृत शिक्षण कार्यशाला

बकस्वाहा, मध्य प्रदेश

प्राकृत भाषा के संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से इस वर्ष 21 दिवसीय राष्ट्रीय प्राकृत शिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यशाला 25 दिसंबर 2025 से 14 जनवरी 2026 तक ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक नगरी श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र (रेशंदीगिरि) नैनागिरि , तहसील बकस्वाहा जिला छतरपुर, म.प्र. में संपन्न होगी। इस आयोजन का संचालन पाली-प्राकृत विकास योजना के अंतर्गत केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली (प्राकृत अध्ययन एवं अनुसन्धान केन्द्र, जयपुर परिसर) तथा प्राकृत भाषा विकास फाउंडेशन (रजि.) सागर के संयुक्त तत्त्वावधान में किया जा रहा है।यह कार्यशाला आदरणीय कुलपति प्रो. श्रीनिवास बरखेड़ी महोदय केंद्रीय संस्कृत विश्विद्यालय नई दिल्ली के मार्गदर्शन में हो रहा है। निर्देशक रमाकांत पांडेय सर का सतत मार्गदर्शन और प्रेरणा प्राप्त हो रही है। पालि प्राकृत योजना अधिकारी डॉ चक्रधर जी मेहुर ने कार्यशाला को विधिवत संचालन हेतु मार्गदर्शन दिया। कार्यशाला में डॉ धर्मेंद्र कुमार जैन जयपुर प्राकृत भाषा विकास अधिकारी केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर का सतत मॉनिटरिंग, डॉ सतेंद्र कुमार जैन, प्रभातकुमार दास जी की मॉनिटरिंग में कार्य प्रारंभ हो गया है। इस राष्ट्रीय कार्यशाला में प्राकृत भाषा के व्याकरण, साहित्य, पठनीय सामग्री और बोलचाल के विभिन्न स्तरों का गहन अध्ययन विशेषज्ञ विद्वानों द्वारा कराया जाएगा। कार्यशाला में 21 दिन की अनिवार्य उपस्थिति, निःशुल्क आवास-भोजन, तथा चयनित प्रतिभागियों को 3rd A.C. का आवागमन मार्गव्यय प्रदान किया जाएगा। किसी भी प्रकार का पंजीकरण शुल्क नहीं रखा गया है। इच्छुक विद्यार्थी www.prakritbhasha.com के माध्यम से आवेदन भेज सकते हैं। प्राकृत भाषा विकास फाउंडेशन के महामंत्री डॉ आशीष जैन आचार्य (मोबाइल नंबर 93290 92390) ने उपरोक्त जानकारी देते हुए बताया कि यह कार्यशाला प्राकृत भाषा के गंभीर अध्ययन, शोध एवं नई पीढ़ी को इसके साथ जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

वरिष्ठ पत्रकार राजेश रागी/रत्नेश जैन बकस्वाहा

संसार का सबसे शक्तिशाली देव सौधर्म इन्द्र करते हैं प्रभु का प्रथम अभिषेक

जन्म कल्याणक पर नगर में निकली भव्य एवं विशाल शोभायात्रा

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

श्रीमद् जिनेन्द्र पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव, विश्व शांति महायज्ञ एवं गजरथ महोत्सव का आयोजन तीर्थ चक्रवर्ती मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज ससंघ के सान्निध्य एवं प्रतिष्ठाचार्य प्रदीप भैया के निर्देशन में भव्य एवं दिव्य रूप से संपन्न हो रहा है। इसी क्रम में आज भगवान के जन्म कल्याणक का महोत्सव अत्यंत श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भगवान के जन्माभिषेक की विशाल एवं भव्य शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से निकाली गई। प्रतिष्ठाचार्य प्रदीप भैया ने कहा कि आज की भव्य शोभायात्रा ने इतिहास रचते हुए सभी श्रद्धालुओं के जीवन को धन्य कर दिया। शोभायात्रा के दौरान पादुक शिला पर शचि इन्द्राणी द्वारा आदिकुमार भगवान का भव्य श्रृंगार किया गया। जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज ससंघ का पिच्छिका परिवर्तन समारोह 12 दिसंबर को मंडी प्रांगण स्थित अयोध्या नगरी में दोपहर 1 बजे से संगीत के साथ आयोजित किया जाएगा। इसके लिए श्री दिगम्बर जैन युवा वर्ग द्वारा तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इस अवसर पर आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज ने कहा कि संसार के सबसे शक्तिशाली देव सौधर्म इन्द्र स्वयं प्रभु का प्रथम अभिषेक करते हैं। यह जन्माभिषेक मेरु पर्वत पर होता है, जिसे पर्वतराज कहा जाता है। इसके पश्चात पादुक शिला पर बालक भगवान का जन्माभिषेक किया जाता है। इस दिव्य दृश्य को देखने के लिए चारों निकायों के देव हाथ जोड़कर उपस्थित रहते हैं। शचि इन्द्राणी को सबसे पहले भगवान के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त होता है, जिससे वह एक भव अवतारी बन जाती हैं। मुनि श्री ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति चाहता है कि उसका जीवन सदा मंगलमय रहे, लेकिन इसके लिए जीवन के कुछ नियमों का पालन आवश्यक है। संसार को पूर्णतः शुद्ध नहीं किया जा सकता, किंतु अपने मन को इतना पवित्र बनाया जा सकता है कि उसमें कभी अशुद्धि न आए। आत्मा को अपवित्र करने के 108 द्वार हैं, जिनसे बचना आवश्यक है। परम दिगम्बर मुद्रा में स्थित अरिहंत अवस्था सदैव शुद्ध रहती है। मुनिराज उन सभी कारणों को त्याग देते हैं, जिनसे आत्मा अशुद्ध होती है। उन्होंने कहा कि आज तीर्थंकर प्रभु का जन्म हुआ है। आश्चर्य की बात यह है कि भीड़ में रहते हुए, सबके स्पर्श में आने के बावजूद भी प्रभु पूर्णतः शुद्ध रहते हैं। यह उसी प्रकार है जैसे सोना और लोहा—कीचड़ में रहने पर भी सोना शुद्ध रहता है, जबकि लोहा मलिन हो जाता है। कार्यक्रम में जैन समाज अध्यक्ष राकेश कंसल, उपाध्यक्ष अजित वरोदिया, प्रदीप तारई, राजेन्द्र अमन, महामंत्री राकेश अमरोद, कोषाध्यक्ष सुनील अखाई, मंत्री शैलेन्द्र श्रागर, विजय धुर्रा, संजीव भारिल्य, मीडिया प्रभारी अरविंद कचनार, ऑडिटर संजय के. टी., संयोजक मनोज रन्नौद, उमेश सिंघई, मनीष सिंघई, श्रेयांश गेला, थूवोनजी अध्यक्ष अशोक जैन, महामंत्री मनोज भैसरवास सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। सभी पदाधिकारियों ने श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में अधिकाधिक संख्या में भाग लेने का आग्रह किया।

बालपन

शिशु को नहलाना भी है एक कला

नन्हा शिशु बहुत कोमल होता है। जरा सी लापरवाही उसके लिए नुकसानदेह हो सकती है। इस कला में निपुण होने के लिए निम्न बातों पर ध्यान देना जरूरी है। बच्चे को नहलाते समय आपकी यही कोशिश होनी चाहिए कि वह पानी से डरने की बजाय स्नान में आनंद व प्रसन्नता का अनुभव करे। बच्चे को टब में बैठाकर नहलायें। पानी से किलोल करने में उन्हें आनंद आता है, जिसे वे अपनी किलकारियों से प्रकट करते हैं। उसके इस आनंद में आप भी शामिल हों और अपना व अपने बच्चे का आनंद बढ़ायें। शिशु को नहलाना शुरू करने के पहले सभी आवश्यक सामान अपने पास पहले ही रख लें ताकि आपको बीच में उठना न पड़े। बच्चे को नहलाने का समय तभी निश्चित करें, जब आपके पास पर्याप्त समय हो। हडबड़ी में नहलाने से बच्चा पानी से भय खा सकता है। नहलाने से पहले बच्चे के शरीर की तेल से मालिश करें। मालिश करते समय सावधानी बरतें कि हाथ कोमलता से चलें और बच्चों के नाजुक अंगों को कोई झटका न लगे। मालिश के कुछ समय बाद ही नहलाना ठीक रहता हैं। सर्दी में बच्चों को धूप-स्नान देने के बाद ही नहलाना चाहिए। मालिश के बाद नहलाने से बच्चे की त्वचा स्वस्थ होती है। बच्चे की मांसपेशियों को व्यायाम व विश्राम मिलता है और बच्चा तनाव-थकान मुक्त होकर आराम की नींद सोता है। नहलाते समय आपके हाथ एकदम साफ हों। नाखून कटे हुए हों। यदि आपके हाथ में चुभने वाली चूड़ी, घड़ी या अंगूठी है तो उसे उतार दें। शिशु को न तो दूध पिलाने के एकदम बाद नहलायें और न ही जब वह बहुत भूखा हो या किसी कारणवश रो रहा हो। स्नान के बाद उसे भली भांति पोंछकर मौसम के अनुकूल वस्त्र पहनाकर दूध की खुराक दें ताकि पेट भर जाने के बाद ताज़गी व प्रफुल्लता से शांति व आराम से देर तक सोता रहे। इस प्रकार आपकी थोड़ी सी सावधानी व सूझबूझ बच्चों को स्वस्थ व प्रसन्नचित रखने में सहायक होगी और आप भी अपने साफ सुथरे लाडले को आराम से सोता खेलता देखकर खुश रहेंगी।

-मीना जैन छाबड़ा

संपादकीय

आत्मनिर्भर बनने का सही रास्ता

बीते दिनों जब दक्षिण कोरिया के बुसान में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से भेंट की थी तो उन्होंने इस भेंट को जी-2 का नाम दिया था। यानी उन्होंने एक तरह से मान लिया कि अमेरिका के बाद चीन दूसरी विश्व महाशक्ति बन चुका है, जिसे रोकना अब उसके वश की बात नहीं है और सोवियत संघ के विघटन के बाद एकध्रुवीय विश्व अब फिर से द्विध्रुवीय है। अपने पहले कार्यकाल में ट्रंप चीन को

सबक सिखाने की बातें किया करते थे, पर अब उनके सुर पूरी तरह बदल चुके हैं। वैसे ट्रंप इस वार्ता से पहले ही चीनी उत्पादों पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की योजना को एक साल के लिए स्थगित कर चुके थे। फिलहाल चीनी उत्पादों पर अमेरिका 47 प्रतिशत का ही टैरिफ लगा रहा है। भारत जिसके साथ सामरिक साझेदारी को अमेरिकी नेता पिछले दो दशक से 21वीं सदी की सबसे महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय साझेदारी बताते नहीं थकते, उसके उत्पादों पर 50 प्रतिशत का टैरिफ है, जबकि अमेरिका अपने सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी देश चीन पर उससे कम टैरिफ लगा रहा है। ट्रंप से जब ताइवान पर चीनी हमले के खतरे के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वह जब होगा, तब देखेंगे। ट्रंप ने यह नहीं कहा कि वे ट्रेड डील का भय दिखाकर ताइवान को चीनी हमले से बचा लेंगे। इससे उलट ट्रंप हर तीन-चार दिन में भारत को लज्जित करने के लिए आपरेशन सिंदूर रुकवाने का झूठा दावा यह कहकर करते हैं कि उन्होंने व्यापारिक समझौता न करने का भय दिखाकर संभावित परमाणु युद्ध रुकवा दिया। रूस से कच्चा तेल भारत और चीन, दोनों ही आयात कर रहे हैं, पर ट्रंप प्रशासन हाथ धोकर भारत के ही पीछे पड़ा है। इस सबसे समझा जा सकता है कि चीन के सामने नतमस्तक अमेरिकी शासन तंत्र ने अब यह ठाना है कि अगर चीन विश्व की दूसरी महाशक्ति बन ही गया है और उसे रोकना उसके वश की बात नहीं रही है तो कम से कम भारत और रूस का उभार तो रोका ही जाए। चीन की इस मजबूत स्थिति के पीछे उसकी सामरिक रूप से महत्वपूर्ण तकनीक के अनुसंधान और उत्पादन में पहल करने की दशकों की नीति रही है। चीनी रणनीतिकारों ने ऐसे सेक्टरों और तकनीकी उत्पादों को चिह्नित किया, जिनके माध्यम से अमेरिका और विश्व को अपने ऊपर निर्भर बनाया जा सके। परिणामस्वरूप चीन आज ऐसे कई उत्पादों की आपूर्ति शृंखलाओं को नियंत्रित करता है और उनके माध्यम से उसने ट्रंप के टैरिफ युद्ध का मुंहतोड़ जवाब दिया है। ट्रंप ने चीन के उत्पादों पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी तो उसने अमेरिका को रेयर अर्थ मैगनेट्स की आपूर्ति रोक दी, जिससे अमेरिका का उद्योग जगत परेशान हो उठा और ट्रंप को टैरिफ लगाने की अपनी योजना को स्थगित करना पड़ा। दुर्लभ भूगर्भीय खनिज आज अंतरिक्ष यानों, रक्षा उपकरणों, इलेक्ट्रिक कारों से लेकर हेडफोन बनाने के लिए आवश्यक हैं और ये आवश्यक होंगी, यह चीन बहुत पहले पहचान चुका था।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

गोवा अग्निकांड घटनाओं से कब लेंगे सबक

यह पहली बार नहीं जब नियम-कानूनों के उल्लंघन के चलते इतने लोगों की जान गई हो और फिर शासन-प्रशासन ने सख्ती दिखानी शुरू की हो। चूंकि सदैव ही ऐसा होता है, इसलिए इस निष्कर्ष पर पहुंचने के अलावा और कोई उपाय नहीं कि अपने देश में हर हादसे के बाद लकीर पीटने का काम कुछ ज्यादा ही होने लगा है।

यह संतोषजनक है कि भीषण आग की चपेट में आए गोवा के एक नाइट क्लब के संचालकों में शामिल लूथरा बंधुओं को थाईलैंड से देश लाया जा रहा है। इसके पहले इस क्लब के सह संचालक अजय गुप्ता समेत कुछ अन्य लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। अब इसके आसार हैं कि नियमों के विपरीत नाइट क्लब बनाने और उसे संचालित करने वाले इन लोगों को कठोर दंड का भागीदार बनाया जाएगा। ऐसा जब भी हो, इससे वे 25 जिंदगियां वापस नहीं आ सकतीं, जो नाइट क्लब में आग लगने से खत्म हो गईं। इस घटना के बाद गोवा सरकार की ओर से कठोरता का तो परिचय दिया जा रहा है, लेकिन स्थानीय प्रशासन के उन लोगों के खिलाफ कोई कठोर कार्रवाई होती नहीं दिख रही है, जिनकी लापरवाही के चलते नाइट क्लब एक तरह से अवैध ढंग से संचालित हो रहा था। घटना के बाद यह सामने आया कि इस नाइट क्लब के निर्माण से लेकर संचालन के तौर-तरीकों तक में हर स्तर पर नियमों का उल्लंघन किया गया। इसका मतलब है कि कोई यह देखने वाला नहीं था कि नियमों के खिलाफ कोई काम न हो। यह पहली बार नहीं जब नियम-कानूनों के उल्लंघन के चलते इतने लोगों की जान गई हो और फिर शासन-प्रशासन ने सख्ती दिखानी शुरू की हो। चूंकि सदैव ही ऐसा होता है, इसलिए इस निष्कर्ष पर पहुंचने के अलावा और कोई उपाय नहीं कि अपने देश में हर हादसे के बाद लकीर पीटने का काम कुछ ज्यादा ही होने लगा है। इसका दुष्परिणाम यह है कि नियम-कानूनों के विरुद्ध निर्माण कराने अथवा किसी प्रतिष्ठान को संचालित करने वालों को कोई सही संदेश नहीं दिया जा पा रहा है। कभी ऐसा सुनने को नहीं मिलता कि गलत तरीके से निर्माण करने-कराने वालों के साथ नियमों का पालन सुनिश्चित कराने में नाकाम लोगों के खिलाफ कोई कठोर कार्रवाई की गई। यह एक तथ्य है कि गोवा ही नहीं, देश भर में निर्माण और सुरक्षा संबंधी नियमों की घोर उपेक्षा होती है। सार्वजनिक स्थलों में आग से बचाव के उपायों की तो कुछ ज्यादा ही अनदेखी होती है। इसी कारण रेस्त्रां, होटल, कारखानों से लेकर अस्पतालों तक में आग लगने की घटनाएं होती रहती हैं। आखिर ऐसे नियम-कानून बनाने का क्या लाभ, जिन पर अमल ही न हो? अपने देश में कहने को हर क्षेत्र के लिए नियम-कानून हैं और उनका पालन कराने वाले भी, लेकिन रह-रह कर यही देखने को मिलता है कि उन पर सही तरह अमल नहीं होता। गोवा की घटना के बाद पता चल रहा है कि दिल्ली समेत देश के कई बड़े शहरों में तमाम ऐसे नाइट क्लब, बार और रेस्त्रां हैं, जिनमें सुरक्षा के बुनियादी उपायों का अभाव है। यह स्थिति औसत भारतीयों के गैर जिम्मेदारी वाले रवैये को रेखांकित करने के साथ ही देश की बदनामी का भी कारण बन रही है।

वाक्केशरी श्रमणाचार्य विनिश्चय सागर महाराज का पदमपुरा में भव्य मंगल प्रवेश

भगवान पदमप्रभू का अतिशय निराला है : श्रमणाचार्य विनिश्चय सागर महाराज

पदमपुरा. शाबाश इंडिया

समाधिस्थ गणाचार्य विराग सागर महाराज के परम प्रभावक शिष्य वाक्केशरी श्रमणाचार्य विनिश्चय सागर महाराज का शुक्रवार 12 दिसंबर को प्रातः 10.00 बजे दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में गाजे-बाजे एवं भव्य जुलूस के साथ मंगल प्रवेश हुआ। इस अवसर पर समूचा क्षेत्र भगवान पदमप्रभू के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। इससे पूर्व प्रातः 9.30 बजे पदम ज्योति नेत्र चिकित्सालय से भव्य मंगल प्रवेश जुलूस रवाना हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु सम्मिलित हुए। आचार्य विनिश्चय सागर महाराज जयपुर प्रवास समिति के महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि पदम ज्योति नेत्र चिकित्सालय पर सकल दिगम्बर जैन समाज द्वारा आचार्य श्री ससंघ की भव्य अगवानी की गई। जुलूस विभिन्न मार्गों से होता हुआ दिगम्बर जैन मंदिर, अतिशय क्षेत्र पदमपुरा पहुँचा, जहाँ धर्मसभा में आचार्य श्री के मंगल प्रवचन हुए। मार्ग में श्रद्धालुओं द्वारा स्थान-स्थान पर पाद प्रक्षालन एवं मंगल आरती की गई। मुख्य संयोजक प्रदीप जैन एवं चेतन जैन निमोडिया ने बताया कि इससे पूर्व आचार्य ससंघ ने प्रातः 8.00 बजे शिवदासपुरा से मंगल विहार कर स्थानीय दिगम्बर जैन मंदिर के दर्शन किए एवं पदमपुरा स्थित गुलाब कौशल्या चेरिटेबल ट्रस्ट के पदम ज्योति नेत्र चिकित्सालय पहुँचे। वहाँ पदमपुरा क्षेत्र कमेटी, आचार्य विनिश्चय सागर महाराज जयपुर प्रवास समिति, श्रद्धालुओं तथा ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी नरेश मेहता एवं समिति सदस्य विनोद जैन कोटखावदा के नेतृत्व में पाद प्रक्षालन एवं मंगल आरती कर भव्य स्वागत किया गया। यहाँ से प्रातः 9.30 बजे बैण्ड-बाजों के साथ विशाल जुलूस मंदिर जी के लिए प्रस्थान कर गया। मार्ग में जयकारों के बीच गणिनी आर्यिका सरस्वती माताजी ससंघ से आत्मीय मिलन हुआ। पदमपुरा अतिशय क्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष सुधीर जैन एवं मानद मंत्री हेमंत सोगानी ने बताया कि आचार्य श्री का 28वां संयम दीक्षा महोत्सव रविवार, 14 दिसंबर को दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में धूमधाम से मनाया जाएगा। आचार्य विनिश्चय सागर महाराज जयपुर प्रवास समिति के अध्यक्ष अनिल जैन बनेठा एवं महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि संयम दीक्षा महोत्सव की समस्त तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं तथा आयोजन हेतु विभिन्न समितियों का गठन किया गया है। मुख्य संयोजक पदमचंद बिलाला एवं डॉ. विमल कुमार जैन ने बताया कि 14 दिसंबर को आयोजित 28वें संयम दीक्षा दिवस में सान्निध्य प्रदान करने हेतु सकल दिगम्बर जैन समाज, पदमपुरा क्षेत्र कमेटी एवं आचार्य विनिश्चय सागर महाराज जयपुर प्रवास समिति द्वारा पदमपुरा में धर्मसभा के दौरान श्रीफल भेंट कर निवेदन किया गया। इसके अतिरिक्त दुगार्पुरा, इंजीनियर्स कॉलोनी मानसरोवर, श्योपुर, चित्रकूट कॉलोनी सहित विभिन्न क्षेत्रों के श्रद्धालुओं ने भी श्रीफल भेंट कर प्रवास का अनुरोध किया। धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य विनिश्चय सागर महाराज ने कहा कि भूगर्भ से प्रकटित भगवान पदमप्रभू का अतिशय अत्यंत निराला है। यहाँ आकर अपने कर्मों की निर्जरा हेतु जितना आशीर्वाद प्राप्त किया जा सकता है, उतना अवश्य करना चाहिए। उन्होंने पद्मपुराण का उल्लेख करते हुए कहा कि जब भगवान राम ने माता सीता का परित्याग किया, तब सीता ने संदेश भिजवाया कि जैसे मुझे छोड़ा है, वैसे धर्म को मत छोड़ना। आचार्य श्री ने कहा कि श्रद्धालुओं का पदमपुरा अतिशय क्षेत्र से जुड़ाव पीढ़ियों पुराना है। हमें अपने कर्मों की निर्जरा कर सिद्धालय में विराजमान सिद्ध भगवानों जैसा बनने का प्रयास करना चाहिए। भगवान पदमप्रभू ने हाथी को बंधा हुआ देखकर वैराग्य धारण किया, उसी प्रकार हमें भी अपने बंधनों को काटकर जीवन का उद्धार करना चाहिए। दोपहर में आचार्य श्री ससंघ के सान्निध्य में श्री शांतिनाथ पूजा विधान का संगीतमय आयोजन किया गया तथा सायंकाल गुरु भक्ति एवं आरती सम्पन्न हुई। इससे पूर्व दोपहर 2.00 बजे गणिनी आर्यिका सरस्वती माताजी ससंघ का जयपुर के लिए मंगल विहार हुआ। इस अवसर पर नरेश मेहता, ज्ञानचंद झांझरी, महावीर अजमेरा, राजकुमार कोठ्यारी, प्रदीप जैन, विनोद जैन कोटखावदा, पदमचंद बिलाला, डॉ. विमल कुमार जैन, चेतन जैन निमोडिया, अशोक बाकलीवाल, सतीश खण्डाका, अशोक खण्डाका, सुभाष बज, निर्मल पाटोदी, सुरेन्द्र जैन, प्रकाश बाकलीवाल, कुलदीप सोनी, पुलकित जैन, सीए शुभम जैन हल्देनिया, नितिन जैन हल्देनिया, अंकित जैन, गजानन्द काला, नरेश बाकलीवाल, दीपिका जैन कोटखावदा, प्रेमलता बाकलीवाल, पुष्पा सोनी, कुसुम साखूनियां, सुनीता हल्देनियां, अंजना बाकलीवाल, बबीता सोगानी, अनिता लुहाड़िया, रेखा पाटनी, श्रुति सोनी, मीनू निमोडिया, वैशाली सोनी, तन्वी जैन सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

न्यू मुंबई में अलका पाण्डेय की पुस्तक रेत का महल का भव्य लोकार्पण सम्पन्न

मुंबई. शाबाश इंडिया। प्रसिद्ध लेखिका एवं अग्नि शिखा मंच की संचालिका अलका पाण्डेय की बहुप्रतीक्षित पुस्तक रेत का महल का भव्य लोकार्पण साहित्यिक ऊष्मा और सृजनात्मक गरिमा के बीच संपन्न हुआ। समारोह में साहित्यजगत की कई प्रतिष्ठित हस्तियों के साथ नीलिमा पांडे की उपस्थिति ने कार्यक्रम की शान और अधिक बढ़ाई। कार्यक्रम में पुस्तक के चुने हुए अंशों का वाचन किया गया, जिसने उपस्थित श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया। अलका पाण्डेय ने अपनी प्रेरणा, लेखन-यात्रा और पुस्तक की मूल चेतना पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रेत का महल जीवन की नश्वरता के बीच उम्मीद और संघर्ष का प्रतीक है। साहित्यप्रेमियों, कवियों और रचनाकारों की उपस्थिति ने इस समारोह को एक साहित्यिक पर्व में बदल दिया। रेत का महल निश्चय ही पाठकों के हृदय में संवेदनाओं की नई लहर जगाने वाली कृति सिद्ध होगी।

आचार्य श्री विनम्र सागर जी संघ सहित 20 मुनि आर्यिका का हुआ मंगल प्रवेश

दीपक प्रधान की विशेष रिपोर्ट

धामनोद. शाबाश इंडिया। बड़वानी दिगंबर जैन समाज के राष्ट्र संत उत्कृष्ट समाधि धारक गणआचार्य विराग सागर जी महा मुनिराज के शिष्य उच्चारणाचार्य भक्तामर महोदधि विनम्र सागर जी का आज शाम छोटी कसरावद नवलपुरा की ओर से भव्य मंगल प्रवेश हुआ, आचार्य संघ का इंदौर में भव्य चातुर्मास के पश्चात इंदौर से पद विहार कर धार, अमझेरा, गंधवानी, सिंघाना होते हुए आज पूरे संघ के साथ बावनगजा सिद्ध क्षेत्र और मांगीतुंगी, गजपंथ तीर्थ क्षेत्र की ओर वंदना के निमित्त बिहार चल रहा है। दिगंबर जैन समाज के महिला, युवा, पुरुष, बच्चों द्वारा भव्य आगवानी कर मुनि संघ के पाद प्रक्षालन कर रंगोली सजा कर वंदन वार लगा कर बैंड बाजों के साथ आगवानी की श्रीफल चढ़ा कर आशीर्वाद प्राप्त किया। आचार्य संघ ने समाज जन को आशीर्वाद प्रदान किया, 12 तारीख शाम को बावनगजा सिद्ध क्षेत्र में आचार्य संघ का भव्य मंगल प्रवेश होगा, ट्रस्ट कमेटी भव्य आगवानी करेगी और समस्त मुनि भक्तों से शामिल होकर धर्म लाभ लेने की अपील की है। आचार्य श्री का यह पहली बार इस क्षेत्र में आगमन हुआ है। उपरोक्त जानकारी मनीष जैन ने प्रदान की।

अतिशय क्षेत्र कारीटोरन जी में पंचकल्याणक महोत्सव को लेकर महत्वपूर्ण बैठक

घुवारा. शाबाश इंडिया। विश्व विख्यात दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र कारीटोरन जी (मड़ावरा), जिला ललितपुर (उ.प्र.) में आगामी 7 से 13 मार्च 2026 तक आयोजित होने वाले श्री मज्जिनेन्द्र आदिनाथ जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा एवं गजरथ महोत्सव को लेकर क्षेत्र प्रबंध कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक पूज्य मुनि श्री 108 समत्व सागर जी एवं मुनि श्री शील सागर जी महाराज के सानिध्य में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता अनिल अंचल (ललितपुर) ने की। इसमें सुरक्षा, आवास, भोजन, यातायात, मेला व्यवस्था, मुनि सेवा एवं अतिथि सत्कार जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा कर सर्वसम्मति से निर्णय लिए गए। इस अवसर पर पंचकल्याणक महोत्सव समिति का गठन किया गया, जिसमें मुन्नालाल जैन को अध्यक्ष, शिखरचंद भेलसी को महामंत्री एवं विजय कुमार को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। प्रतिष्ठाचार्य पं. महेश कुमार (नागालैंड) ने बताया कि इस महोत्सव में 11 फीट खड्गासन जिनबिम्ब, चौबीसी एवं सहस्त्रकूट जिनबिम्बों की भव्य प्रतिष्ठा होगी। उन्होंने देशभर के जैन समाज से महोत्सव में सहभागिता का आह्वान किया।

लॉर्ड्स स्कूल में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ

नरेश सिगची. शाबाश इंडिया

रावतसर। लॉर्ड्स स्कूल में गुरुवार को वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का शानदार और उत्साहपूर्ण शुभारंभ हुआ। विद्यालय परिसर में रंग-बिरंगे झंडों, आकर्षक सजावट और ऊजार्वान माहौल के बीच आयोजित उद्घाटन समारोह ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय द्वारा आमंत्रित विशिष्ट अतिथियों सुभाष मंगलराव, अध्यक्ष कुम्हार महासभा, रामेश्वर कारगवाल, प्रशासनिक अधिकारी CBO, मनोज शर्मा RP, बहन नीलिमा कुमारी संचालिका,ब्रह्म विश्वविद्यालय, रावतसर के स्वागत से हुई, जिनका माल्यार्पण कर विधिवत अभिनंदन किया। इसके बाद बच्चों की मार्च-पास्ट और तालबद्ध कदमों ने पूरे मैदान में अनुशासन और जोश का सुंदर मिश्रण प्रस्तुत किया। उद्घाटन के मुख्य आकर्षण के रूप में अतिथियों ने खेल मशाल जलाकर प्रतियोगिता का विधिवत श्रीगणेश किया। मशाल प्रज्वलित होते ही सभी छात्रों में उत्साह का संचार हो गया और पूरे मैदान में खेल भावना तथा ऊर्जा की लहर दौड़ गई। प्रतियोगिता में इस बार अभिभावकों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिससे कार्यक्रम और भी रोचक बन गया। माता-पिता के लिए आयोजित विशेष खेलों में सबने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया और बच्चों को खूब उत्साहित किया।

छात्रों ने भी विभिन्न खेल गतिविधियों में भाग लेते हुए मैदान में अपने जौहर दिखाया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि खेल न केवल छात्र जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है बल्कि टीम भावना, अनुशासन, नेतृत्व और चरित्र निर्माण का आधार भी है। उन्होंने छात्रों को नियमित रूप से खेलों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय की प्राचार्या विमला वर्मा ने स्वागत भाषण में सभी अतिथियों, अभिभावकों और प्रतिभागियों का हार्दिक स्वागत किया तथा खेलकूद प्रतियोगिता को विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, ऊर्जा और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि स्कूल का उद्देश्य बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी समान महत्व देना है। दिनभर आयोजित विभिन्न खेलों में छात्रों ने उत्साह और कौशल के साथ भाग लिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान मैदान में तालियों की गड़गड़ाहट, जोश और आनंद का माहौल बना रहा।

लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल की मासिक मीटिंग सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल की मासिक मीटिंग होटल मसाला मिनिस्ट्री में आयोजित की गई। आज की मीटिंग में कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई जिनमे क्रिसमस डे, मकर संक्रांति, गणतंत्र दिवस पर विशेष सेवा कार्य करने पर विचार विमर्श किया गया। विमंदित बच्चों व वृद्धजनों के प्रति संवेदना का भाव रखते हुए मौसम के अनुरूप आवश्यक सामग्री वितरण पर भी विचार किया गया।अध्यक्ष ला. सुजाता स्वर्णकार द्वारा सभी सेवा कार्यों हेतु आर्थिक सहयोग की अपेक्षा व धन्यवाद ज्ञापित किया गया।सचिव ला. नीलम मित्तल द्वारा नवंबर माह की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। क्लब फाउंडर ला. महादेवी जी आर्य द्वारा क्लब द्वारा किये गए सेवा कार्यों के प्रति संतुष्टि जाहिर करते हुए, भविष्य में भी एकजुटता से कार्य करते रहने की अपेक्षा जताई। आज की मीटिंग में क्लब की लगभग सभी सदस्याएं उपस्थित रही। सौहार्दपूर्ण वातावरण में लंच के साथ मीटिंग का समापन हुआ।

श्री हसमुख जैन गांधी दिगंबर जैन महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोनीत

इंदौर. शाबाश इंडिया

अपने व्यक्तित्व और कृतित्व से धर्म, समाज, संस्कृति, तीर्थ एवं नगर की गरिमा बढ़ाने वाले इंदौर नगर की दिगंबर जैन समाज के वरिष्ठ एवं अनुभव समृद्ध राष्ट्रीय समाजसेवी हसमुख जैन गांधी भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोनीत हुए। गांधी दिगंबर जैन समाज की विभिन्न राष्ट्रीय संस्थाओं से भी संबद्ध हैं और उनके माध्यम से संपन्न होने वाले समाज हित के कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि गांधी के इस मनोनयन पर महावीर ट्रस्ट के अध्यक्ष अमित कासलीवाल, अष्टापद बद्रीनाथ के अध्यक्ष आदित्य कासलीवाल, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोहर झांझरी, वरिष्ठ समाजसेवी डॉ जैनेन्द्र जैन टी के वेद ,दिगंबर जैन महा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक बड़जात्या, आजाद जी जैन अशोक खासगीवाला मयंक जैन श्रीमती पुष्पा कासलीवाल श्रीमती मुक्ता जैन आदि ने गांधी को बधाई दी।

400 अशक्त गोवंश को हरा चारा अर्पण किया गया

अजमेर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला एवम युवा महिला संभाग अजमेर के तत्वावधान में लोहागल ग्राम में स्थापित श्री पुष्कर गो आदि पशुशाला की 400 से अधिक गोवंश को हरा चारा अर्पण किया गया साथ ही गऊ माता का प्रिय व्यंजन गुड की सेवा दी गई। मंत्री सुषमा पाटनी ने बताया कि समिति की वरिष्ठ सदस्य श्रीमती कमलेश राकेश पालीवाल के सहयोग से अशक्त गोवंश को हरा चारा की सेवा दी गई। समिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी ने सेवा सहयोगी पालीवाल दंपति के सेवाभाव के प्रति आभार ज्ञापित करते हुए बताया कि जरूरतमंद व्यक्तियों विशेषकर स्लम एरिया एवं ग्रामीण क्षेत्र के व्यक्तियों के लिए सेवा के कार्य के साथ जीवदया के अंतर्गत लगातार सेवाएं दी जा रही है जिसे आगे भी जारी रखा जाएगा। इस अवसर पर श्री दिगंबर जैन महासमिति अजमेर संभाग के अध्यक्ष अतुल पाटनी,सर्वोदय कॉलोनी इकाई की मंत्री रेनू पाटनी भी मौजूद रही।

शांति मंडल विधान की पूजा कर अर्घ्य समर्पित किए

भगवान शांतिनाथ एवं भगवान मुनिसुव्रत की नवीन प्रतिमा को वेदियों में विराजमान किया

टोंक. शाबाश इंडिया

श्री नेमिनाथ दिगंबर जैन मंदिर पुरानी टोंक में शुक्रवार प्रातः क्षीर सागर से जल लाकर भगवान नेमिनाथ का नित्य अभिषेक एवं वृहद शांतिधारा की गई। शांतिधारा से प्राप्त गांधोदक को श्रद्धालुओं ने मस्तक पर लगाकर भगवान नेमिनाथ से आशीर्वाद प्राप्त किया तत्पश्चात भगवान नेमिनाथ पार्श्वनाथ एवं शांतिनाथ की नित्य नियम पूजा कर अर्घ्य समर्पित किए गए इस अवसर पर अशोक मनोज तेज मनोज दीपक सोनू आदि मौजूद थे। राजेश अरिहंत ने बताया कि दोपहर में शांति मंडल विधान की पूजा का आयोजन पंडित रोहित जैन शास्त्री कोटा के सानिध्य में हुआ। जिसमें सर्वप्रथम भगवान नेमिनाथ की वृहद शांति धारा की गई तत्पश्चात मंडप रचना सकलीकरण मंगल कलश स्थापना आचार्य निमंत्रण के पश्चात विधान की पूजा प्रारंभ हुई जिसमें उपस्थित इंद्र इंद्राणियों धनराज संतरा पदम मंजू राजकुमार अनीता सुनील सारिका मनोज सीमा दीपक स्नेहलता अशोक उर्मिला निर्मल इंदिरा रमेश मंजू सतीश प्रतिभा पदम बीना तेज योजना विनोद सुनीता निर्मल मंजू आदि ने भक्ति पूर्वक 148 अर्घ्य एवं श्री फल समर्पित किये संगीतकार ललित जैन एंड पार्टी सवाई माधोपुर के संगीत की सुमधुर धुनों पर इंद्र इंद्राणियों ने भगवान नेमिनाथ की भक्ति में नृत्य प्रस्तुत किए उपस्थित श्रद्धालुओं ने भगवान नेमिनाथ के श्री चरणों में महाअर्घ्य समर्पित किया तत्पश्चात पीपलदा पंच कल्याणक महोत्सव में परम पूज्य आचार्य गुरुवर वर्धमान सागर महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में प्रतिष्ठित स्फटिक मणि की भगवान शांतिनाथ एवं जर्मन सिल्वर की भगवान मुनिसुव्रतनाथ की प्रतिमा को श्रद्धालुओं के जयकारों के बीच रिद्धि मंत्रों के उच्चारण के साथ वेदियों में विराजमान किया गया।

जब धर्म गर्त में जाए, तब कलम उठाना ही सच्चा धर्म होता है

मेरी जान है जिनशासन, और जिसे अपने प्राणों से प्रेम होता है, वह उसकी रक्षा के लिए हर जोखिम उठाता है। आज जिनशासन पर जो संकट है, वह अचानक नहीं आया–यह वर्षों की चुप्पी, समझौतों, आडंबर और दिखावे का परिणाम है। लोग धर्म के नाम पर भीड़ जुटा सकते हैं, महोत्सव करा सकते हैं, बड़े-बड़े पंडाल खड़े कर सकते हैं, मगर जिनशासन की असली नींव–सत्य, सादगी, तप, अनुशासन और अहिंसा–इन पर बात करने से कतराते हैं। यही वह जगह है जहाँ लेखक की कलम सबसे जरूरी हो जाती है। स्वतंत्र लेखन का अर्थ केवल शब्दों का संयोजन नहीं होता, बल्कि यह वह साहस है जो सच को वाणी देता है, भले ही समाज उसे सुनना पसंद करे या नहीं। आज स्थिति ऐसी हो गई है कि गलत को समर्थन देना आसान है, और सच बोलने वाला विवादित बना दिया जाता है। पर यह भी सच है कि इतिहास में कभी भी परिवर्तन चाटुकारों ने नहीं कराया–परिवर्तन हमेशा उन लोगों ने किया है जिनमें सच्चाई लिखने की हिम्मत थी। जब समाज धार्मिक दिखावा अधिक और धर्म का पालन कम करने लगे, तब लेखक की एक-एक पंक्ति समाज की आँख खोल सकती है। किन्तु उसकी एक पंक्ति डरपोकों को हिला भी देती है, क्योंकि जो लोग आडंबर पर टिके हैं, उन्हें सच का उजाला चुभता है। मेरी जान जिनशासन है, इसलिए मैं यह भी समझता हूँ कि धर्म की रक्षा केवल मंदिरों में घंटियाँ बजाने से नहीं होती, बल्कि उन घंटियों से उठती गूँज का सही अर्थ समझने से होती है। अगर धर्म के नाम पर व्यापार हो रहा है, अपराधों पर पर्दा डाला जा रहा है, साधु-संतों की छवि का दुरुपयोग हो रहा है, और समाज को चुप रहने की आदत डाली जा रही है–तो ऐसी स्थिति में चुप रहकर देखना सबसे बड़ा पाप है। एक लेखक की कलम उन घावों पर मरहम नहीं लगाती जिन्हें दिखाया नहीं जा रहा, बल्कि वह पहले घाव दिखाती है ताकि इलाज शुरू हो सके। बिना खुलासे के सुधार नहीं होता और बिना सुधार के धर्म जीवित नहीं रह सकता। धर्म की जड़ें गहरी तब होती हैं जब लोग केवल पूजा नहीं, बल्कि जागरूकता भी रखें। जैन धर्म का इतिहास ही बताता है कि जिनशासन तप, ज्ञान और सत्य के बल पर चला है–भीड़, चापलूसी या दिखावे के सहारे नहीं। मैं लिखता हूँ क्योंकि मुझे डर नहीं लगता; मुझे सिर्फ इतना डर लगता है कि कहीं मेरी चुप्पी भी जिनशासन के पतन की वजह न बन जाए। स्वतंत्र लेखन मेरा विरोध नहीं, मेरी भक्ति है–ऐसी भक्ति जिसमें भावनाएँ भी हैं और जिम्मेदारी भी। यह वह संकल्प है कि चाहे कितनी भी बड़ी भीड़ सामने हो, मैं जिनशासन को गिरने नहीं दूँगा। और यही वह भावना है जो हर जैन, हर श्रावक, हर लेखक और हर जागरूक व्यक्ति में होनी चाहिए। क्योंकि अगर हम सब सच कहने से डर गए, तो जिनशासन को गिराने वाला कोई बाहरी दुश्मन नहीं होगा–हम स्वयं होंगे। मेरी जान जिनशासन है, और इसके लिए कलम उठाना मेरा अधिकार नहीं, मेरा धर्म है।

नितिन जैन, संयोजक – जैन तीर्थ श्री पार्श्व पद्मावती धाम, पलवल (हरियाणा), जिलाध्यक्ष – अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन, पलवल, मोबाइल: 9215635871

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

उल्लेखनीय कार्यों के लिए वर्ल्ड पैरा थ्रोबॉल फैडरेशन की अध्यक्ष निर्मला रावत सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया। वर्ल्ड पैरा थ्रोबॉल फैडरेशन की अध्यक्ष निर्मला रावत को उल्लेखनीय कार्यों के लिए सम्मान किया। निर्मला रावत का यह सम्मान श्रीलंका के रतनपुरा जैम टाउन में आयोजित साउथ एशियन पैरा थ्रोबॉल प्रतियोगिता के दौरान श्रीलंका पैरा थ्रोबॉल संघ की संरक्षक व सबरागमुवा प्रांतीय परिषद की मुख्य सचिव ईएए सूनिता ने किया। इस मौके पर निर्मला रावत से प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन फ्लेग ऑफ मार्च कर करवाया। इस मौके पर निर्मला रावत के पति लक्ष्मण रावत के अलावा वर्ल्ड पैरा थ्रोबॉल एसोसिएशन की अध्यक्ष निर्मला रावत, प्रतियोगिता के आयोजक व अध्यक्ष रत्नायक, वर्ल्ड पैरा थ्रोबॉल फेडरेशन की मुख्य सचिव प्रेम कुमार अल्बर्ट सहित अन्य लोग मौजूद रहे। समापन समारोह के दौरान रावत ने विजेता टीम के खिलाड़ियों को ट्रॉफी व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

10वीं अंतरराष्ट्रीय भारतीय स्वास्थ्य मनोविज्ञान सम्मेलन का दूसरा दिन रहा ज्ञानवर्धक

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर, जयपुर में आयोजित 10वीं अंतरराष्ट्रीय भारतीय स्वास्थ्य मनोविज्ञान सम्मेलन का दूसरा दिन अत्यंत ज्ञानवर्धक, विचारोत्तेजक और उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। सम्मेलन के दूसरे दिन विभिन्न महत्वपूर्ण पूर्ण सत्रों (प्लेनरी सेशन्स) का आयोजन किया गया, जिनमें देश-विदेश से आए विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं ने भाग लिया। दूसरे दिन के सत्रों का शुभारंभ मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष, राजस्थान विश्वविद्यालय की चेयरपर्सन प्रो. प्रेरणा पुरी तथा बीएचयू के प्रो. संदीप कुमार द्वारा किया गया। सत्रों की अध्यक्षता करते हुए विभिन्न विद्वानों एवं आमंत्रित अतिथियों ने स्वास्थ्य मनोविज्ञान, मानसिक कल्याण, व्यवहारिक हस्तक्षेप तथा उभरते मनोवैज्ञानिक आयामों पर अपने विचार साझा किए। वक्ताओं ने बदलते सामाजिक-आर्थिक परिवेश में मानसिक स्वास्थ्य की बढ़ती चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज के समय में मनोविज्ञान केवल उपचार तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह रोकथाम, जागरूकता, जीवनशैली सुधार और समग्र स्वास्थ्य का अहम आधार बन चुका है। विशेषज्ञों ने मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, सुलभता और शोध आधारित हस्तक्षेपों की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। सम्मेलन के दौरान लगभग 400 शोध प्रस्तुतियाँ दी जा रही हैं, जिनमें समकालीन विषयों पर किए गए नवीन अनुसंधान, व्यावहारिक निष्कर्ष और भविष्य की संभावनाओं को प्रस्तुत किया गया। इन शोध प्रस्तुतियों के माध्यम से स्वास्थ्य मनोविज्ञान के बहुआयामी स्वरूप को रेखांकित किया गया।

दूसरे दिन प्रस्तुत किए गए शोधों के प्रमुख विषय इस प्रकार रहे

स्वास्थ्य देखभाल में पारंपरिक एवं वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों का एकीकरण
संगठनात्मक व्यवहार और समग्र स्वास्थ्य
खेल, व्यायाम, आहार एवं जीवनशैली का मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव
तनाव से जुड़े समकालीन मुद्दे, निपटान रणनीतियाँ एवं तनाव प्रबंधन
डिजिटल युग में साइबर अपराध और मानसिक स्वास्थ्य पर उसका प्रभाव।

उल्लेखनीय कार्यों के लिए वर्ल्ड पैरा थ्रोबॉल फैडरेशन की अध्यक्ष निर्मला रावत सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया। वर्ल्ड पैरा थ्रोबॉल फैडरेशन की अध्यक्ष निर्मला रावत को उल्लेखनीय कार्यों के लिए सम्मान किया। निर्मला रावत का यह सम्मान श्रीलंका के रतनपुरा जैम टाउन में आयोजित साउथ एशियन पैरा थ्रोबॉल प्रतियोगिता के दौरान श्रीलंका पैरा थ्रोबॉल संघ की संरक्षक व सबरागमुवा प्रांतीय परिषद की मुख्य सचिव ईएए सूनिता ने किया। इस मौके पर निर्मला रावत से प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन फ्लेग ऑफ मार्च कर करवाया। इस मौके पर निर्मला रावत के पति लक्ष्मण रावत के अलावा वर्ल्ड पैरा थ्रोबॉल एसोसिएशन की अध्यक्ष निर्मला रावत,प्रतियोगिता के आयोजक व अध्यक्ष रत्नायक,वर्ल्ड पैरा थ्रोबॉल फेडरेशन की मुख्य सचिव प्रेम कुमार अल्बर्ट सहित अन्य लोग मौजूद रहे। समापन समारोह के दौरान रावत ने विजेता टीम के खिलाड़ियों को ट्रॉफी व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

नचिकेतन पब्लिक स्कूल में 2 दिवसीय वार्षिक खेल उत्सव का समापन

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। शहर के बाईपास रोड़ स्थित नचिकेतन पब्लिक स्कूल में चल रहे दो दिवसीय वार्षिक खेल उत्सव का समापन आज, 12 दिसम्बर को हुआ। इस खेल उत्सव का आगाज मुख्यातिथि के रूप में विद्यालय चैयरमेन राजेंद्र सिंह सिद्धु, सचिव छबील दास सुथार, निदेशक रणजीत सिंह सिद्धु ने किया। इस वार्षिक खेल उत्सव में मेहमानों का स्वागत तिलक व बैज लगाकर किया गया। वार्षिक खेल उत्सव में कक्षा तीसरी से नौवीं व 11वीं के खेल करवाए गए। जिसमें लगभग सभी विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों के लिए 60 मीटर, 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, 600 मीटर, 800 मीटर रेस, शॉटपूट, ऊँची कूद, लम्बी कूद, पीठू, शॉटपूट, वॉलीबाल, रस्साकस्सी, खो-खो आदि प्रतियोगिताएं रखी गई। सभी विद्यार्थियों ने खेल भावना के साथ प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया तथा प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान हासिल किया। मुख्यातिथि व उपस्थित सभी गणमान्य सदस्यों ने वार्षिक खेल उत्सव का शुभारंभ करने के लिए 100 मीटर रेस से शुरू करवाकर किया। इसके बाद विद्यालय खेल प्रशिक्षकों व अन्य अध्यापकों ने कक्षा तीसरी से बाहरवीं तक के सभी बच्चों के खेलों को सम्पन्न करवाया। अंत में सभी विजेता खिलाड़ियों व वॉलटिर्यस को माननीय मुख्यातिथि व विद्यालय प्रबंधन समिति द्वारा सम्मानित किया गया। इस वार्षिक खेल उत्सव में विद्यालय खेल प्रशिक्षक सोनू, नरेश कुमार, सोनू देवी, राम पुनियां व सभी अध्यापकों, वॉलटियरस की अहम भूमिका रही। इस अवसर पर विद्यालय चैयरमेन राजेंद्र सिंह सिद्धु, सचिव छबीलदास सुथार, निदेशक रणजीत सिंह, एडमिनिस्ट्रर अशोक कुमार महोराना, प्रिंसिपल सत्यनारायण पारीक, प्रबन्धन समिति के सदस्य परमिन्द्र सिंह, कपिल सुथार, विद्यालय प्रैस प्रवक्ता गुरसेवक सिंह व सभी अध्यापकगण मौजूद रहे।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के परिचय सम्मेलन पोस्टर का हुआ विमोचन

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन द्वारा आयोजित तृतीय अंतरराष्ट्रीय जैन युवक युवती परिचय सम्मेलन आगामी आयोजित एक दिवसीय दिनांक 25 जनवरी 2026 को दस्तूर गार्डन इंदौर में होगा। फेडरेशन के मिडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू ने बताया कि आज परिचय सम्मेलन के पोस्टर का विमोचन मुनि श्री पूज्य सागर जी महाराज के मंगलमय सानिध्य में इंदौर परिवहन नगर में चल रहे विधान महोत्सव में फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोहर झांझरी, अमित कासलीवाल, राजकुमार पाटोदी, प्रदीप गंगवाल रितेश पाटनी, ऋषभ जैन, मनीष जैन, गिरीश रारा, संजय पापड़ीवाल, एवं समाज श्रेष्ठी जनों की उपस्थिति में किया गया।

रजिस्ट्रेशन नं. 468/जे.पी./1995-96

卐 भव्य शुभारंभ 卐

शनिवार, 13 दिसम्बर, 2025 प्रातः - 9 बजे

श्री दिगम्बर जैन औषधालय

की शाखा

स्थान - संत भवन (A-73 त्रिवेणी नगर, जयपुर)

त्रिवेणी नगर दिगम्बर जैन समिति

मुख्य अतिथि : श्री सुधांशु -ऋतु जी कासलीवाल
(अध्यक्ष श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी)

दीप प्रज्वलन कर्ता : श्री अजय-आभा जी पांड्या
त्रिवेणी नगर, जयपुर

निवेदक

महेंद्र कुमार काला
अध्यक्ष

शैलेंद्र कुमार
मंत्री

श्रीमती संतोष सोगानी
अध्यक्ष

श्रीमती शिमला पपड़ीवाल
मंत्री

मंदिर समिति, महिला मंडल, युवा मंडल
त्रिवेणी नगर जैन समाज

निहाल चंद सौगानी
(एडवोकेट)
अध्यक्ष

संदीप कटारिया
कार्याध्यक्ष

महावीर कुमार जैन
(झागवाले)
मंत्री

श्री दिगम्बर जैन औषधालय, बोरडी का रास्ता, किशनपोल बाजार, समस्त प्रबन्धकारणी समिति, जयपुर

आचार्य वर्धमान सागर महाराज का भव्य होगा निवाई में नगर प्रवेश

अनुष्ठान के लिए तैयारियां जोर-जोर से की जा रही है। 11 दिसंबर 2025 को वात्सल्य वारिधि पंचम पट्टाधीश आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज का झिलाय के समीप गुरु भक्त जितेन्द्र कुमार गजेन्द्र कुमार जैन चंवरिया के अग्रवाल इण्डस्टीज पर गाजे बाजे के साथ मंगल आगमन हुआ

दो ड्रोन से पुष्प वर्षा एवं चांदी की थालियों में होगा पाद प्रक्षालन

निवाई. शाबाश इंडिया

निवाई शहर में 3 साल बाद फिर आ रहे हैं वात्सल्य वारीधि आचार्य वर्धमान सागर महाराज के स्वागत में सजने लगा है शहर। आचार्य श्री के आगमन पर बग्गियां घोड़े और हाथियों से उनकी भव्य अगवानी की जाएगी। शहर में प्रवेश करते ही ड्रोन द्वारा पुष्प वर्षा होगी। इसके अलावा रजत थालियों में आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन किया जाएगा। जैन समाज के मीडिया प्रभारी विमल जौंला एवं राकेश संधी ने बताया कि आचार्य श्री निवाई शहर में शीतकालीन प्रवास करेंगे। उनका निवाई शहर में 14 दिसम्बर 2025 को नगर प्रवेश होगा। उनके स्वागत की तैयारीयों में पूरा समाज जुट गया है। आचार्य श्री के नगर प्रवेश मार्ग को विशेष रूप से सजाया जा रहा है। श्री दिगंबर जैन शांतिनाथ अग्रवाल मंदिर से लेकर शहर में नसियां जैन मंदिर तक 3 किलोमीटर लंबी रंगोलियां सजेगी। शहर में 51 स्वागत द्वार बनाए जा रहे हैं। निवाई की सीमा में प्रवेश करते ही सकल दिगंबर जैन समाज की कमेटी एवं समाजजन पहुंच कर आचार्य श्री की अगुवानी करेंगे। इस दौरान आगे जैन ध्वज, हाथी, घोड़े, बग्गी रहेंगे। वहीं तीन बैंड व ढोल बजाकर उनका स्वागत करेंगे शहर के बीचो-बीच विशेष स्टेज बनाकर आचार्य वर्धमान सागर महाराज का होगा पाद पक्षालन। दिगम्बर जैन अग्रवाल समाज अध्यक्ष विष्णु बोहरा एवं बड़ा जैन मंदिर मंत्री मोहित चंवरिया ने बताया कि नगर प्रवेश शोभायात्रा में शहर के बीचो-बीच श्रेष्ठी महावीर प्रसाद जैन की श्रीमति पिस्तोल देवी, नगर पालिका उपाध्यक्ष जितेंद्र चवरियां, गजेन्द्र चवरियां परिवार द्वारा पाटनी कॉम्प्लेस पर विशेष स्टेज सजाकर रजत थालियों में चांदी के कलशो से वात्सल्य वारीधि आचार्य वर्धमान सागर महाराज का पाद प्रक्षालन होगा इसके साथ ही स्टेज पर महिलाओं द्वारा आचार्य की अगवानी में अभिनंदन नृत्य की प्रस्तुति देगी। इस कार्यक्रम के लिए तैयारी चल रही है। मंगल प्रवेश जुलूस के बाद जितेंद्र कुमार गजेंद्र कुमार जैन चवरियां द्वारा सकल दिगंबर जैन समाज का वात्सल्य भोजन भी है।

मुनि प्रभव सागर महाराज सहित करीब 26 साधु करेंगे अपने गुरु की भव्य अगवानी

आचार्य वर्धमान सागर महाराज टोंक चातुर्मास के बाद 15 नवंबर 2025 को विहार करके बरौनी पहुंचे जहां से प्रभव सागर महाराज को जिम्मेदारी देकर 26 साधुओ का विहार निवाई के लिए करवाया। आचार्य वर्धमान सागर महाराज के साथ चार मुनि व तीन आर्यिका माताजी पीपलदा पंचकल्याणक के लिए विहार किया। आचार्य श्री पराणा शिवाड़ बोलीं होते हुए पीपल्दा पहुंचे जहां 28 नवंबर से 2 दिसंबर तक पंचकल्याणक महोत्सव आयोजित हुआ। इसके बाद वहां से आचार्य श्री का विहार हुआ करीब 28 दिन बाद उनके शिष्य अपने गुरु की भव्य अगुवानी के साथ पाद प्रक्षालन करेंगे। सभी शिष्य गुरु के दर्शनों के लिए आतुर है।

प्रथमाचार्य 108 श्री शांति सागर स्मारक का होगा लोकार्पण

आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महामुनि राज की पावन प्रेरणा एवं मंगल आशीर्वाद से प्रथमाचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज के आचार्य पदारोहण शताब्दी वर्ष के निमित्त निवाई में 21 फीट ऊंचा शांति सागर स्मारक के निर्माण की घोषणा हुई। और 26 जनवरी 2023 को इसका शिलान्यास नसिया मंदिर प्रांगण में बड़े ही धूमधाम से हुआ। शांतिसागर स्मारक संयोजक जितेन्द्र चवरियां, सुशील गिन्दौडी, एवं पवन बोहरा ने बताया कि इस स्मारक में प्रथमाचार्य शांति सागर महाराज की अष्टधातु से निर्मित पीतल की प्रतिमा विराजमान होगी। इसके अलावा प्रतिमा के चारों तरफ आचार्य वीर सागर, आचार्य शिव सागर, आचार्य अजीत सागर, आचार्य धर्म सागर, महाराज के चरण स्थापित होंगे। उन्होंने बताया कि शांति सागर स्मारक का कार्य अंतिम चरण में चल रहा है शीघ्र ही शीतकालीन प्रवास में आचार्य वर्धमान सागर महाराज के सानिध्य में 19 जनवरी को शांति सागर स्मारक का लोकार्पण होगा।

श्री 1008 सिद्ध चक्र महामण्डल विधान की होगी महा आराधना

आचार्य वर्धमान सागर महाराज के शीतकालीन प्रवास के दौरान निवाई के भामाशाह परिवार श्रेष्ठी सन्मति कुमार सुकुमार, महिपाल, एवं मोहित चवरियां द्वारा 22 दिसम्बर से 30 दिसम्बर तक सिद्ध चक्र महामण्डल विधान अनुष्ठान संत निवास नसियां मंदिर जी में आयोजित होगा। अनुष्ठान के लिए तैयारियां जोर-जोर से की जा रही है। 11 दिसंबर 2025 को वात्सल्य वारिधि पंचम पट्टाधीश आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज का झिलाय के समीप गुरु भक्त जितेन्द्र कुमार गजेन्द्र कुमार जैन चंवरिया के अग्रवाल इण्डस्टीज पर गाजे बाजे के साथ मंगल आगमन हुआ जहां चंवरिया परिवार द्वारा चरण प्रक्षालन, चरण वन्दना, एवं आरती कर अगुवानी की। आचार्य श्री श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर से 14 दिसम्बर 2025 को विशाल शोभायात्रा के साथ नगर प्रवेश करते हुए अहिंसा सर्किल, बस स्टैंड, बड़ा एवं बिचला जैन मंदिर, सब्जी मंडी, बिलाला चोक, चोहट्टी बाजार होते हुए संत निवास नसियां जैन मंदिर पहुंचेंगे जहां धर्म सभा आयोजित होगी।

विलियमबक्कम में 1000 वर्ष पुरानी प्राचीन ''आदि भगवान'' की मूर्ति के लिए भव्य नए जिनालय का निर्माण

12 वर्षों के निरंतर प्रयासों के बाद प्राण-प्रतिष्ठा सम्पन्न

चेंगलपट्टु तमिलनाडु. शाबाश इंडिया

विलियमबक्कम में 1000 वर्ष पुरानी प्राचीन ''आदि भगवान'' की मूर्ति के लिए भव्य जिनालय का निर्माण पूरा हो गया। रविवार, 30 नवंबर को भारी तूफान की चेतावनी के बावजूद, मंदिर उद्घाटन, विमान कलश स्थापना तथा आदिनाथ भगवान की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा आगम विधि के अनुसार अत्यंत धूमधाम से सम्पन्न हुई।

कैसे मिली प्राचीन मूर्ति?

चेंगलपट्टु से 7 किमी दूर, चेंगलपट्टु-वालाजाबाद राजमार्ग के समीप स्थित विलियमबक्कम गाँव में यह मूर्ति ''थानथोन्द्री अम्मन'' मंदिर के पास इमली के एक विशाल वृक्ष की जड़ों में जकड़ी हुई अवस्था में मिली थी। 'अहिंसा वॉक' (अहिंसा यात्रा) के सदस्य श्री जीवकुमार द्वारा वर्ष 2013 में इस प्राचीन मूर्ति की खोज की गई।

12 वर्षों का लंबा संघर्ष

मूर्ति को उचित स्थान पर स्थापित करने के लिए अहिंसा वॉक, जैन युवा मंच और स्थानीय उत्साही लोगों ने वर्षों तक प्रयास किया। 2017 में अहिंसा वॉक-44 के माध्यम से जनजागरण किया गया। इमली के वृक्ष की जड़ों से मूर्ति को निकालना अत्यंत कठिन कार्य था। प्रारंभ में इसे भजन मंदिर और बाद में एक वाहन शेड में सुरक्षित रखा गया। कई बार भूमि खोजने के प्रयास हुए, पर योजनाएं आगे नहीं बढ़ सकीं।

पंचायत ने दी भूमि, प्रयास हुए सफल

फरवरी 2025 में ग्राम प्रधान श्री एकाम्बरम, नाट्टामै श्री पंचाक्षरम और मुरुगन भक्त श्री मुरुगन के सहयोग से पंचायत ने एक आधिकारिक प्रस्ताव पारित करते हुए मंदिर निर्माण के लिए भूमि उपलब्ध कराई। इसके बाद भक्तों के दान से गर्भगृह, मुखमंडप और विमान (शिखर) सहित एक सुंदर व भव्य जैन मंदिर का निर्माण किया गया।

उद्घाटन और प्राण-प्रतिष्ठा

उद्घाटन समारोह में जिनालय पूजा, हवन और धार्मिक अनुष्ठान प्रसिद्ध विद्वान श्री सुरेश उपाध्याय (स्वर्गीय उपाध्याय श्री देवराज के शिष्य) द्वारा संपन्न कराए गए। गाँव के लोगों, भक्तों और यात्रियों के लिए अन्नदान का विशेष आयोजन किया गया।

मूर्ति की जैन विरासत का पुनर्जीवन

प्राचीन 1008 श्री आदिनाथ जिन बिम्ब की जैन परंपरा को पुनर्जीवित करना अहिंसा वॉक के लिए गर्व का विषय है। जैन समाज ने ग्रामवासियों और दानदाताओं का विशेष धन्यवाद किया, जिन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे इस जिनालय को स्थान देने में सहयोग किया। उल्लेखनीय है कि अहिंसा वाक एक संगठन है। जो प्रतिमाह भ्रमण करके पुरानी धरोहरों की खोजबीन करते हैं यह उन्हीं की खोज का परिणाम है। दानवीर श्री एमके जैन चेन्नई में बताया कि यह मंदिर जैन समाज के लिए उल्लेखनीय उपलब्धि है जिसमें तमिलनाडु की जैन समाज ने मुक्त हस्त से सहयोग देकर इस मंदिर को निर्मित कराया है। कार्यक्रम में दानवीर, दक्षिण के भामाशाह श्री एम.के. जैन, श्री दिनेश सेठी एवं तीर्थ क्षेत्र कमेटी के पदाधिकारीयो ने व सहयोगियों ने उपस्थिति दर्ज कराई व मंदिर निर्माण की सराहना करते हुए बड़ी धन राशि दान में दी। विशेष तौर पर श्री मुरुगन (चेंगलपट्टु), श्री शेखर (गुडुवांचेरी) और श्री एस. धनंजयन (पूनमल्ली) के सराहनीय योगदान का उल्लेख किया गया।

प्राचीन 1008 श्री आदिनाथ जिन बिम्ब की जैन परंपरा को पुनर्जीवित करना अहिंसा वॉक के लिए गर्व का विषय है। जैन समाज ने ग्रामवासियों और दानदाताओं का विशेष धन्यवाद किया, जिन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे इस जिनालय को स्थान देने में सहयोग किया। उल्लेखनीय है कि अहिंसा वाक एक संगठन है। जो प्रतिमाह भ्रमण करके पुरानी धरोहरों की खोजबीन करते हैं यह उन्हीं की खोज का परिणाम है।

संपर्क
94440 04155, 98650 71572
प्रेषक: अनुपमा राजेन्द्र जैन महावीर

परमात्मा पर विश्वास रखने वाला व्यक्ति जीवन की किसी भी ठोकर से कभी नहीं टूटता : उप प्रवर्तिनी विजयप्रभा

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

सूरिया निवास, आर. सी. व्यास कॉलोनी में आयोजित धर्मसभा में उपप्रवर्तिनी विजयप्रभा ने कहा कि परमात्मा पर अटूट विश्वास रखने वाला व्यक्ति जीवन की किसी भी ठोकर से कभी नहीं टूटता। उन्होंने कहा कि विश्वास वह दिव्य शक्ति है, जो मन को स्थैर्य, बुद्धि को दिशा और जीवन को संतुलन प्रदान करती है। परमात्मा में श्रद्धा, गुरु में निष्ठा और आत्मा में भरोसा - ये तीनों तत्व मिलकर जीवन को अखंड ऊर्जा और अडिग शक्ति देते हैं। महासती विद्याश्री ने कहा कि प्रेम ही जीवन का आधार है। प्रेम के बिना न संबंध टिकते हैं, न साधना जीवित रहती है। उन्होंने कहा कि प्रेम वह पवित्र बंधन है, जो मनुष्य के भीतर की कठोरता को गलाकर करुणा, मैत्री और विनम्रता के भाव जगाता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा बिना प्रेम के जीवन सूखे वृक्ष जैसा है, खड़ा तो रहता है, पर हरा नहीं हो पाता। साध्वी हर्षश्री एवं साध्वी जयश्री ने भी आत्मिक साधना, एकाग्रता और निरंतरता के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर सूरिया परिवार के कंवरलाल, अशोक कुमार, पंकज कुमार सहित सभी सदस्यों ने साध्वी वृंद के पधारने पर प्रति कृतज्ञता और आभार व्यक्त किया। सभा में शांतिभवन के संरक्षक नवरतनमल बंब, मीठालाल सिंघवी, मदनलाल चौरड़िया, आनंद चपलोत, दलपतसिंह डांगी, आर.के. जैन, नवरतनमल भलावत, चंचल पीपाड़ा, पंकज मेड़तवाल सहित क्षेत्र के अनेक प्रमुख श्रावक-श्राविकाएँ बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। साध्वीवृंद के पधारने के उपलक्ष्य में सूरिया परिवार ने गौतम प्रसादी का आयोजन किया गया। -**प्रवक्ता निलिप्का जैन**

जयकारों के बीच त्रिमुखी महाकाली की रथयात्रा भीलवाड़ा से उज्जैन पावागढ़ तीर्थ के लिए रवाना

मंहत बाबूगिरीजी महाराज के सानिध्य में रथयात्रा का शुभारंभ, भीलवाड़ा के मुख्यमार्गो से गुजरी रथयात्रा

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। शहर में लेबर कॉलोनी स्थित मां लालबाई फूलबाई महाकाली मंदिर से विशालकाय काले पत्थर की शिला से निर्मित 14 फीट लंबी एवं 16 टन वजनी मां काली की प्रतिमा की रथयात्रा पावागढ़ उज्जैन के लिए रवाना हुई तो पूरा मंदिर परिसर माता काली के जयकारों से गूंजायमान हो उठा। रथयात्रा का शुभारंभ संकटमोचन हनुमान मंदिर के महन्त बाबूगिरीजी महाराज के सानिध्य में हुआ। महंत बाबूगिरीजी महाराज एवं मां लालबाई फूलबाई महाकाली मंदिर के संत निलेश जी महाराज ने रथयात्रा प्रारंभ होने से पूर्व मां काली की प्रतिमा की पूजा की। इस अवसर पर निम्बार्क आश्रम के महन्त मोहनशरणजी महाराज, हनुमान टेकरी के महन्त बनवारीशरण काठियाबाबा महाराज, हाथीभाटा आश्रम के महन्त संतदासजी महाराज, हरिशेवाधाम के संत मायारामजी, महन्त देवीगिरीजी सहित हरिशेवाधाम के विभिन्न संतों का सानिध्य एवं आशीर्वाद प्राप्त हुआ। सभी संत महात्माओं ने रथयात्रा की सफलता के लिए मंगलकामना की। मां काली की प्रतिमा को भीलवाड़ा से उज्जैन पावागढ़ तीर्थ ले जाने के लिए विशालकाय ट्रक को सुसज्जित करते हुए रथ का रूप दिया गया है। रथयात्रा लेबर कॉलोनी स्थित मंदिर से प्रारंभ होकर पुर रोड, सर्किट हाउस रोड, अजमेर पुलिया, कलेक्ट्रेट मार्ग, स्टेशन चौराहा होते हुए मुख्य पोस्ट ऑफिस के पास स्थित संकटमोचन हनुमान मंदिर होते हुए चित्तौड़गढ़ रोड के लिए रवाना हुई। रथयात्रा में विराजित मां काली की प्रतिमा के दर्शन के लिए जगह-जगह भक्तगणों के एकत्रित होने पर रथ रोक कर दर्शन कराए गए। मार्ग में कई जगह भक्तों ने रथयात्रा का स्वागत करते हुए मां काली के जयकारे लगाए। रथयात्रा के साथ कई भक्तगण भी उज्जैन पावागढ़ जा रहे है। रथयात्रा आयोजन में नगर परिषद के पूर्व सभापति ओम नराणीवाल, जितेन्द्रसिंह राजावत, सेवादार नरेन्द्र मराठा, चक्रवती सिंह, सचिन गौस्वामी, संदीपकुमार मोगरा, सोहनलाल माली, गोपाललाल आदि का विशेष सहयोग रहा।

बीयूमर ग्रुप ने रिलायंस मेट सिटी में अत्याधुनिक विनिर्माण संयंत्र का उद्घाटन किया

हरियाणा के झज्जर में स्थित है रिलायंस मेट सिटी

गुरुग्राम. शाबाश इंडिया। रिलायंस मेट सिटी (मॉडल इकोनॉमिक टाउनशिप लिमिटेड) ने सेक्टर-5, झज्जर (हरियाणा) में बीयूमर ग्रुप के नए अत्याधुनिक विनिर्माण संयंत्र का उद्घाटन किया। बीयूमर ग्रुप, जो इंट्रालॉजिस्टिक्स, कन्वेयिंग, पैकेजिंग, पेलटाइज़िंग, सॉर्टेशन और डिस्ट्रीब्यूशन टेक्नोलॉजी में वैश्विक अग्रणी है, ने भारत में अपने विनिर्माण विस्तार के लिए मेट सिटी को प्राथमिक स्थान चुना है। यह नया संयंत्र मेट सिटी की एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में स्थिति को और मजबूत करता है। रिलायंस मेट सिटी के सीईओ श्रिवल्लभ गोयल ने कहा, बीयूमर का यहां आना मेट सिटी के विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर और निवेशक-हितैषी माहौल पर वैश्विक कंपनियों के विश्वास को दर्शाता है। बीयूमर ग्रुप क्लस्टर एशिया के सीईओ श्री नितिन व्यास ने कहा, 42,508 वर्गमीटर भूमि पर बना यह संयंत्र न केवल भारत बल्कि वैश्विक ग्राहकों की जरूरतों को भी पूरा करेगा। यह परियोजना मात्र 15 महीनों में पूरी होना एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। 600 से ज्यादा कंपनियों और 40,000 ज्यादा नौकरियों वाली रिलायंस मेट सिटी आज वैश्विक व घरेलू उद्योगों की प्रमुख निवेश गंतव्य बनी हुई है।

अंतर्राष्ट्रीय जनमंगल महोत्सव 12 दिसंबर को दिल्ली में इस युग के महावीर अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागरजी महाराज के संरक्षण में अदभुत संत समागम

लोकसभा अध्यक्ष से लेकर बाबा रामदेव, प. धीरेन्द्र शास्त्री सहित तमाम हस्तियां होंगी शामिल

औरंगाबाद. शाबाश इंडिया

''हर मास एक उपवास'' पर आधारित अंतर्मना धार्मिक एवं पारमार्थिक ट्रस्ट तथा पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के संयुक्त तत्वाधान में भारत मंडपम, नई दिल्ली में द्विदिवसीय 12 - 13 दिसंबर को विश्वस्तरीय जनमंगल महोत्सव का भव्य और एतिहासिक आयोजन होने जा रहा है। यह अद्भुत महोत्सव तपस्वी सम्राट, साधना महोदधी, अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज के सानिध्य एवं संरक्षण में किया जा रहा है। जिसमें विशेष रूप से विश्व विख्यात योग ऋषि बाबा रामदेव भी अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे। यह कार्यक्रम बनेगा आध्यात्मिक अनुभूतियों और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का अद्भुत संगम। कार्यक्रम को दो हिस्सों में विभाजित किया गया है। पहले दिन 12 दिसंबर को कार्यक्रम का शुभारंभ इस युग के महावीर महामुनि प्रसन्न सागर जी महाराज तथा बाबा रामदेव के सानिध्य में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला जी के आतिथ्य में होगा जिसमें केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी, भूपेंद्र यादव, दिल्ली सीएम श्रीमती रेखा गुप्ता सहित तमाम अन्य संत और सिद्ध विभूतियां विशिष्ट अतिथियों के रूप में शामिल रहेंगे। दूसरे दिन योग और प्राणायाम पर विशेष विमर्श होगा।

हर मास एक उपवास के महत्व पर होंगे अंतर्मना के प्रवचन

तपाचार्य अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज ने सबसे कठिन उत्कृष्ट सिंह निष्क्रीडित व्रत सम्पन्न कर इतिहास रच दिया हैं। उन्होंने ये घनघोर तपस्या जनकल्याण के लिए की है। गौरतलब है कि अंतर्मना ने उत्कृष्ट सिंह निष्क्रीड़ित व्रत 557 दिन की अखण्ड मौन व्रत साधना की है जिसमें 496 उपवास और मात्र 61 पारणाएँ शामिल हैं।

सिंह निष्क्रीड़ित व्रत का फल

इस व्रत के फलस्वरूप मनुष्य वज्र वृषभ नाराच संहनन का धारक, अनन्तवीर्य से सम्पन्न, सिंह के समान निर्भय और अणिमा आदि गुणों से युक्त होता हुआ शीघ्र ही सिद्ध हो जाता है। भगवान महावीर के जीव नन्दन मुनिराज के भव में कनकावली, रत्नावली, मुक्तावली और सिंह निष्क्रीड़ित आदि अनेकों व्रतों का अनुष्ठान किया था। उसी प्रकार भगवान के नेमिनाथ के जीव ने भी तीर्थंकर से तृतीय भव पूर्व 'सुप्रतिष्ठ' मुनिराज की अवस्था में इन कनकावली आदि अनेकों व्रतों का अनुष्ठान किया था और आज तक बहुत से महापुरुष इन व्रतों का अनुष्ठान करते रहे हैं। भगवान महावीर स्वामी के निर्वाण के 2600 वर्षों के बाद सम्मेदशिखर जी की स्वर्णभद्र कूट की पावन भूमि पर 557 दिन की सिंहनिष्क्रीड़ित व्रत की कठोरतम अखण्ड मौन एकान्तवास की महासाधना करने वाले अन्तर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्नसागर जी महाराज के सानिध्य में व्रत के महत्व पर विशेष प्रकाश डाला जाएगा। जनमंगल महोत्सव का केन्द्रीय विषय भी इसलिए हर मास एक उपवास रखा गया है ताकि उपवास का हमारे भौतिक आध्यात्मिक जीवन पर जो प्रभाव पड़ता है उस पर गहराई से चिंतन हो, जिसका लाभ सभी को मिले।

12 दिसंबर को तप साधना एवं उपवास पर विभिन्न सत्र

12 दिसंबर को उद्घाटन के साथ ही पूरे दिन के कार्यक्रम को विभिन्न सत्रों में विभाजित किया गया है। जनमंगल की समयग्दृष्टि : स्वदेशी चिंतन, योग, ध्यान और उपवास पर आधारित इस विशेष कार्यक्रम में विभिन्न सत्रों के माध्यम से तप साधना और उपवास जैसे विषयों में विभाजित किया गया है। इन सत्रों में अंतर्मना के आशीर्वाद के साथ-साथ तमाम साधक अपने अनुभव भी साझा करेंगे।

13 दिसंबर को योग एवं प्राणायाम पर विशेष सत्र

दो दिवसीय आयोजन में 13 दिसंबर को योग एवं प्राणायाम पर आधारित विभिन्न सत्र आयोजित किए जाएंगे। जिसमें योग संबंधी क्रिया तथा योग से होने वाले विभिन्न शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक लाभ पर चर्चा की जाएगी। इसके साथ-साथ प्राणायाम क्रिया से जीवन में क्या परिवर्तन आते हैं, इस पर विशेष तौर पर चर्चा की जाएगी। इन सत्रों में भी देश और विदेश से आए विभिन्न साधक और विशेषज्ञ अपने विचार व्यक्त करेंगे।

विभिन्न क्षेत्रों की श्रेष्ठ विभूतियां होगी महोत्सव में सम्मिलित

दो दिवसीय जनमंगल महोत्सव में आध्यात्मिक योग और राजनीतिक क्षेत्र की विभिन्न विभूतियों के सम्मिलित होने का समाचार है इस दो दिवसीय कार्यक्रम में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के साथ-साथ मुनि श्री पीयूष सागर महाराज, बाबा बागेश्वर प.धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री, बाबा बालक राम, पतंजलि योगपीठ के आचार्य बालकृष्ण, पूज्य ज्ञानानंद जी महाराज, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, भूपेंद्र यादव दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता दिल्ली के कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा, प्रवेश वर्मा, सांसद बांसुरी स्वराज, सुधांशु त्रिवेदी, जाने-माने पत्रकार रजत शर्मा, बाबा सत्यनारायण मौर्य आदि सम्मिलित होंगे।

नरेंद्र अजमेरा
पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

संसार का सबसे शक्तिशाली व्यक्तित्व सौधर्म इन्द्र करता है सबसे पहले अभिषेक

जन्म कल्याणक पर भव्य विशाल शौभायात्रा निकली शहर के प्रमुख मार्गो से आज की भव्य शोभायात्रा ने इतिहास बनाते हुए हमारे जीवन को धन्य कर दिया- प्रदीप भ इया

पाडूक शिला पर शचि इन्द्राणी ने किया किया आदि कुमार का श्रंगार

संगीत के साथ हुई भव्य पिच्छिका परिवर्तन समारोह में जनता के सभी रिकॉर्ड टूटे: विजय धुर्रा

अशोक नगर. शाबाश इंडिया। श्री मद् जिनेन्द्र पंच कल्याणक प्रतिष्ठा यममहोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ एवं गजरथ महोत्सव का भव्य आयोजन तीर्थ चक्रवर्ती मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ससंघ के सान्निध्य एवं प्रतिष्ठा चार्य प्रदीप भ इया के निर्देशन हो रहे पंच कल्याणक महोत्सव में आज दोपहर बाद श्री दिगम्बर जैन युवा वर्ग के संयोजक में दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी के तत्वावधान में द्वारा भव्य पिच्छिका परिवर्तन समारोह का आयोजन किया गया जिसमें परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज के संघ ने अपनी पुरानी पिच्छिका को वदल कर नवीन पिच्छिका ग्रहण की। इस दौरान जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि परम पूज्य आध्यात्मिक संत निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ससंघ का भव्य पिच्छिका परिवर्तन समारोह को हमारी कमेटी मंत्री शैलेन्द्र श्रागर के मधुर भजनों के साथ हो रहा है मंडी प्रांगण स्थिति अयोध्या नगरी में दोपहर एक बजे से संगीत के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ बालिका जैन युवा वर्ग की संगीत नृत्य के साथ प्रस्तुत दी गई ।

जेंडर सेंसिटाइजेशन" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

जयपुर। राजकीय महाविद्यालय, जमवारामगढ़ में राजस्थान राज्य महिला नीति–2021 एवं रूवा (राजस्थान विश्वविद्यालय महिला संघ) के संयुक्त तत्वावधान में "जेंडर सेंसिटाइजेशन" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. राजेश आर्य द्वारा मुख्य अतिथि डॉ. शशि लता पुरी और विशिष्ट अतिथि डॉ. प्रिया के स्वागत एवं अभिनंदन के साथ हुआ। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ. शशि लता पुरी ने जेंडर सेंसिटाइजेशन को समानता, सम्मान और सहिष्णुता की बुनियाद बताते हुए समाज में लैंगिक असमानताओं के ऐतिहासिक एवं सामाजिक कारणों पर प्रकाश डाला। विशिष्ट वक्ता डॉ. प्रिया ने "Sex" और "Gender" के मूलभूत अंतर को स्पष्ट करते हुए कहा कि लैंगिक भेदभाव जैविक नहीं, बल्कि सामाजिक संरचना का परिणाम है। उन्होंने उदाहरणों एवं व्यवहारिक स्थितियों के माध्यम से लैंगिक रूढ़ियों को पहचानने तथा उन्हें कम करने के उपाय बताए।महिला प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. सुशीला देवी मीणा ने ग्रामीण परिवेश में महिलाओं के प्रति व्याप्त रूढ़िवादिता के प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को सामाजिक परिवर्तन के सक्रिय वाहक बनने का आह्वान किया।अन्य संकाय सदस्यों—डॉ. नीलम चारण एवं डॉ. अनुजा तिवारी—ने शिक्षा और सहअस्तित्व जैसे मूल्यों के माध्यम से लैंगिक समानता को प्रोत्साहित करने पर बल दिया।कार्यशाला से पूर्व और पश्चात विद्यार्थियों से फीडबैक प्राप्त कर कार्यक्रम की प्रभावशीलता का तुलनात्मक विश्लेषण किया गया, जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षण की दिशा में महाविद्यालय की एक सार्थक पहल रही।कार्यक्रम का संचालन डॉ. नीलम चारण ने किया तथा अंत में प्रो. शहमा खान ने सभी अतिथियों, वक्ताओं एवं उपस्थित छात्रों का आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम में संकाय सदस्यों एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही। विद्यार्थियों ने कार्यशाला को अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक बताया।

स्व. भगवानदेवी जैन की पुण्यतिथि पर निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का हुआ आयोजन

समाजसेवी सीए कमलेश जैन 20 वर्षों से लगा रहे हैं शिविर

मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया

मुरैना/राजाखेड़ा। मातुश्री स्व. भगवानदेवी जैन की पुण्य स्मृति में विशाल निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। वरुण बेवरेज के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर एंड चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर (इंटरनेशनल) एवं जैसवाल जैन सेवा न्यास के महामंत्री सीए कमलेश जैन का नाम किसी परिचय का मोहताज नहीं हैं। वे अपनी माताजी स्वर्गीय भगवानदेवी जैन की स्मृति में लगभग 20 वर्षों से निरंतर निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविरों का आयोजन देशभर के विभिन्न नगरों में करते आ रहे है ।साथ ही समय समय पर अन्य स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन भी करते हैं। उनके द्वारा

स्वास्थ्य के क्षेत्र में की जा रही सेवाओं से अन्य लोग भी प्रेरणा लेकर उनके इस पुनीत कार्य में सहयोग करते हैं। उक्त शिविर का आयोजन धौलपुर जिले के राजाखेड़ा नगर में आयोजित किया गया। रतन ज्योति चेरिटेबल ट्रस्ट ग्वालियर के तत्वधान एवं भारत के सुप्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉक्टर भसीन के मार्गदर्शन में आयोजित निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर में 650 नेत्र रोगियों ने परीक्षण कराकर परामर्श लिया। शिविर में सम्मिलित मरीजों की मोतियाबिंद, रेटिना, भेड़ापन, काला पानी और अन्य नेत्र रोगों की डॉक्टरों द्वारा जांच की गई और उचित परामर्श एवं मार्गदर्शन प्रदान किया। मोतियाबिंद लेंस प्रत्यारोपण ऑपरेशन के लिए 107 मरीजों का चयन किया गया। चयनित मरीजों के आने जाने का मार्ग व्यय, आवास, भोजन और दवा आदि की संपूर्ण व्यवस्था निःशुल्क की गई । साथ ही आवश्यकतानुसार दूर-दृष्टि वाले मरीजों को निःशुल्क चश्मा प्रदान किए गए। सभी मरीज सफल ऑपरेशन के बाद अत्यंत खुश थे । वरिष्ठ समाजसेवी सीए कमलेश जैन द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार यह शिविर उनकी माता जी की पुण्य स्मृति में आयोजित किया गया था एवं हर माह की 8 तारीख को राजाखेड़ा में निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर आयोजित किया जाता है ।हम सभी का उद्देश्य आंखों की रोशनी बचाने के साथ साथ समाज मे स्वास्थ्य जागरूकता और मानवता की सेवा का संदेश फैलाना भी है। किसी के जीवन में अंधेरा न रहे, यही सोचकर हम पीड़ित मानवता की सेवा कार्यों के लिए प्रयासरत है, हम राजखेड़ा क्षेत्र को मोतियाबिंद रहित क्षेत्र बनाना चाहते हैं। सीए कमलेश जैन ने अपील की कि ज्यादा से ज्यादा जरूरतमंद मरीज आगे होने वाले इन मासिक शिविरों में हमें सेवा का अवसर दें व निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविरों का लाभ लें।

डॉ. रिया जैन आठवले ने संयुक्त राष्ट्र ग्लोबल कॉम्पैक्ट नेटवर्क इंडिया के बिज़नेस इंटीग्रिटी कॉन्क्लेव 2025 में भारत का किया प्रतिनिधित्व

मुंबई

DMF Healthcare Pvt. Ltd. की ओर से प्रतिनिधित्व करते हुए डॉ. रिया जैन आठवले को संयुक्त राष्ट्र Global Compact Network India (GCNI) द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित Business Integrity Conclave 2025 में Esteemed Faculty एवं Guest Speaker के रूप में आमंत्रित किया गया। यह अंतरराष्ट्रीय स्तर का सम्मेलन मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन कन्वेंशन सेंटर, बीकेसी, मुंबई में भव्य रूप से संपन्न हुआ। सम्मेलन में भारत सहित विश्व के विभिन्न देशों से आए वरिष्ठ नीति-निर्माता, उद्योग जगत के नेता, शिक्षाविद, स्वास्थ्य विशेषज्ञ एवं कॉर्पोरेट प्रतिनिधि उपस्थित रहे।इस अंतरराष्ट्रीय मंच पर डॉ. रिया जैन आठवले ने "Healthcare & Supply Chains – Ensuring Transparency, Ethical Procurement and Patient-Centred Integrity" विषय पर अपना विचारपूर्ण एवं प्रभावशाली वक्तव्य प्रस्तुत किया। अपने संबोधन में उन्होंने स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में पारदर्शी आपूर्ति श्रृंखला, नैतिक खरीद प्रक्रिया, जवाबदेही, भ्रष्टाचार-रोधी तंत्र तथा रोगी-केंद्रित दृष्टिकोण की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उनके वक्तव्य को न केवल भारतीय बल्कि अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों से भी अत्यंत सराहना मिली।सम्मेलन के एक महत्वपूर्ण सत्र के दौरान डॉ. रिया जैन आठवले ने विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर एक आधिकारिक अंतरराष्ट्रीय दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर किए, जिससे वैश्विक स्तर पर भारत की सक्रिय भागीदारी और नेतृत्व को मान्यता प्राप्त हुई। इस अवसर पर उन्हें उनके योगदान के लिए विशेष सम्मान से भी सम्मानित किया गया।डॉ. रिया जैन आठवले एक कंसल्टेंट फिज़ीशियन हैं और वर्तमान में Devgad Medical Foundation में अपनी चिकित्सा सेवाएँ प्रदान कर रही हैं। उन्होंने वर्षों से अनेक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा सम्मेलनों में सक्रिय सहभागिता की है और स्वास्थ्य प्रणालियों में पारदर्शिता, नैतिकता तथा रोगी-केंद्रित सेवाओं को मज़बूत करने हेतु निरंतर कार्य किया है।इस प्रतिष्ठित सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र, स्वास्थ्य सेवा, उद्योग, शिक्षा एवं कॉर्पोरेट क्षेत्र से जुड़ी अनेक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय हस्तियाँ उपस्थित रहीं। इनमें प्रमुख रूप से:वैषाली निगम सिन्हा (अध्यक्ष, UN GCNI एवं सह-संस्थापक, ReNew; चेयरपर्सन – सस्टेनेबिलिटी, ReNew Pvt. Ltd.),रत्नेश (कार्यकारी निदेशक, UN Global Compact Network India),संजीव कुमार वर्मा (उपाध्यक्ष – पश्चिमी क्षेत्र, UN GCNI एवं प्रमुख – EHS, ग्रासिम इंडस्ट्रीज़),टेरेसा कैंटू (पार्टनर डायरेक्टर, CARE Abogados),डॉ. सुश्रुत बाभुळकर (अध्यक्ष, ट्रॉमा सोसाइटी ऑफ इंडिया),डॉ. चंद्रिका परमार (चेयर, UN PRME इंडिया चैप्टर, SPJIMR),कृष्णेंदु बिस्वास (प्रमुख, एथिक्स एंड कंप्लायंस, टाकेडा),सुनीला सहस्रबुद्धे (लीडर, स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप्स, सुपरह्यूमनरेस),पुलक प्रकाश (रीजनल चीफ एग्जीक्यूटिव – CIF दक्षिण एशिया, ब्यूरो वेरिटास),डॉ. पुष्पेंद्र प्रताप सिंह (प्रबंध निदेशक एवं CEO, लॉजिट्रस्ट ग्लोबल सॉल्यूशंस प्रा. लि.),डॉ. उमा नांबियार (कार्यकारी निदेशक एवं CEO, गिमकेयर हॉस्पिटल एवं चेयरपर्सन, DHIA),कैप्टन विकास विज (CEO, I-Marine Infratech (India) Pvt. Ltd.),डॉ. निरव मांडिर (चीफ ह्यूमन कैपिटल एवं सस्टेनेबिलिटी ऑफिसर, श्रीरामकृष्ण एक्सपोर्ट्स – SRK),ब्रतिन बाग (सीनियर डायरेक्टर – एथिक्स एवं बिज़नेस इंटीग्रिटी, साउथ एशिया, सनोफी),डॉ. राजेश चिटरे (सब-रीजनल कंप्लायंस ऑफिसर – साउथ ईस्ट एशिया (नॉर्थ), मर्क ग्रुप),डॉ. (सी.एस.) मनोज सोनावाला (चेयरमैन, मनोयोग GRC एडवाइज़र्स प्रा. लि.),चंद्रकांत सालुंखे (संस्थापक एवं अध्यक्ष, SME चेंबर ऑफ इंडिया एवं फेडरेशन ऑफ इंडियन SME एसोसिएशन्स),नंदकुमार कुलकर्णी (प्रमुख – EHS एवं सस्टेनेबिलिटी, वीर-ओ-मेटल्स प्रा. लि.),विजयकुमार कट्टी (वेसैक इंडिया),रूपम बरुआ (बिज़नेस हेड – सस्टेनेबिलिटी सर्विसेज़, CIF दक्षिण एशिया, ब्यूरो वेरिटास),कुणाल जोशी (एसोसिएट डायरेक्टर – एथिक्स एवं कंप्लायंस, टाकेडा),डॉ. देबमल्य चटर्जी (प्रोफेसर, SPJIMR, मुंबई),हृषिकेश सांधे (प्रिंसिपल एवं प्रमुख – इंफ्रास्ट्रक्चर, वॉल्टर पी. मूर इंजीनियरिंग),प्रो. अनघा शिरूर (के.जे. सोमैया इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट),अनिरबान चटर्जी (प्रमुख – सस्टेनेबिलिटी सेल्स ग्रोथ एवं इनोवेशन, ब्यूरो वेरिटास),श्रीनिवास अड्डेपल्ली (CEO, ग्लोबलज्ञान लीडरशिप अकादमी),पूनम चौहान (एसोसिएट प्रोफेसर, के.जे. सोमैया इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट),नरेश राज के. (चीफ इंफॉर्मेशन ऑफिसर, साईंराम ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस),डॉ. श्रुति भिडे (प्रोफेसर, सेठ जी.एस. मेडिकल कॉलेज एवं KEM हॉस्पिटल),डॉ. सोमनाथ सिंह (डिप्टी डायरेक्टर, UN GCNI)तथा प्रकाश रेड्डी (एडिटर-इन-चीफ, Corporate Social Focus – राष्ट्रीय CSR पत्रिका) प्रमुख रूप से शामिल थे।इन सभी प्रतिष्ठित हस्तियों की उपस्थिति ने सम्मेलन की गंभीरता, गरिमा और वैश्विक महत्व को और अधिक सुदृढ़ किया।DMF Healthcare Pvt. Ltd. एवं Devgad Medical Foundation ने डॉ. रिया जैन आठवले की इस अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए उन्हें भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ दी हैं।

सृजन द स्पार्क एवं हिंदुस्तान ज़िंक द्वारा ''पीयूष पंवार नाइट'' 15 दिसम्बर को

ड्रमर पद्मश्री आनन्दम शिवमणि को मिलेगा सृजन-हिंदुस्तान ज़िंक लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड

उदयपुर. शाबाश इंडिया

कला और संगीत के संरक्षण को समर्पित संस्था ''सृजन द स्पार्क'' एवं हिंदुस्तान ज़िंक के तत्वावधान में 15 दिसम्बर को भारतीय लोक कला मंडल में आयोजित संगीत संध्या में इंडियन आइडल फेम गायक पीयूष पंवार और भव्या पंडित अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से दर्शकों को रिझाएंगे। गौरतलब है कि पंवार हाल ही में अमेरिका में 12 सफल कंसर्ट कर लौटे हैं। कार्यक्रम के दौरान विश्वविख्यात ड्रमर पद्मश्री आनन्दम शिवमणि को सृजन-हिंदुस्तान ज़िंक लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। इस आशय की जानकारी पत्रकार वार्ता में शुक्रवार को देते हिंदुस्तान ज़िंक के सीईओ अरुण मिश्रा ने बताया कि राजस्थान की संस्कृति एक जीवंत परम्परा है, जिसे सृजन द स्पार्क जैसे मंच नई ऊर्जा और अभिव्यक्ति देते हैं। उन्होंने कहा कि कला और सांस्कृतिक संरक्षण भारत के रचनात्मक भविष्य में महत्वपूर्ण निवेश है। इसी क्रम में संस्था अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में उत्कृष्ट कलाओं को सम्मान देने की परम्परा के तहत इस वर्ष भी कई विशिष्ट कलाकारों को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। वहीं, सृजन एपेक्स अध्यक्ष राजेश खमेसरा ने कहा कि संस्था हमेशा से कलाकारों के सम्मान और कला-संरक्षण के लिए सक्रिय रही है। संरक्षक प्रसन्न कुमार खमेसरा ने बताया कि सृजन द स्पार्क का उद्देश्य कला, संगीत, साहित्य और संस्कृति से जुड़ी प्रतिभाओं को मंच देना और नई पीढ़ी को भारतीय मूल्यों से जोड़ना है। संस्था द्वारा निर्मित की जा रही सृजन संगीत अकादमी देशविदेश के कला प्रेमियों को प्रशिक्षण व अवसर प्रदान करेगी। महासचिव अब्बास अली बंदूकवाला ने बताया कि आयोजन में वेदांता, हिंदुस्तान ज़िंक लिमिटेड, पायरोटेक, द हाउस ऑफ थिंग्स सहित अन्य संस्थाओं का योगदान रहेगा। संस्था की शाखाएं उदयपुर, जयपुर, अहमदाबाद, दिल्लीझ एनसीआर से लेकर कनाडा, लंदन और अमेरिका तक सक्रिय हैं। सृजन द स्पार्क के इस वर्ष के अवार्डों में सृजन अमीर खुसरो अवार्ड दिल्ली के कवि आलोक श्रीवास्तव, सृजन खेमचंद प्रकाश अवार्ड कोटा के संगीतज्ञ डॉ. रोशन भारती, सृजन नंदलाल बोस अवार्ड मुंबई की पत्रकार सौम्या वाजपेयी, सृजन मास्टर मदन अवार्ड कलाकार मनोहर तेली, सृजन ओंकारनाथ ठाकुर अवार्ड जयपुर के सीए अनिल खंडेलवाल और सृजन वी.डी. पलुस्कर अवार्ड मुंबई के व्यवसायी राकेश मेहता को दिए जाएंगे। आयोजन समिति अध्यक्ष ब्रजेश सोनी ने बताया कि प्रवेश निःशुल्क पास द्वारा होगा तथा दर्शकों की सुविधा के लिए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

रिपोर्ट फोटो: राकेश शर्मा 'राजदीप'